



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 680]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 2008/पौष 9, 1930

No. 680]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 2008/PAUSA 9, 1930

भारतीय रिज़र्व बैंक

(विदेशी मुद्रा विभाग)

(केन्द्रीय कार्यालय)

अधिसूचना

मुम्बई, 22 अगस्त, 2008

विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत से बाहर के निवासी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम) (द्वितीय संशोधन)
विनियमावली, 2008

सा.का.नि. 896(अ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 6 की उप-धारा (3) के खंड (ख) और धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक, एतद्वारा, विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत से बाहर निवासी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम) विनियमावली, 2000 (दिनांक 3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 20/2000-आरबी) में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—

- ये विनियम विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत से बाहर निवासी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम) (द्वितीय संशोधन) विनियमावली, 2008 कहलाएंगे।
- ये विनियम इन विनियमों के तहत दिए गए पाद टिप्पणियों में अन्यथा विनिर्दिष्ट होने तक सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू समझे जाएंगे।

2. विनियमावली 2 में संशोधन.—विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत से बाहर निवासी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम) विनियमावली, 2000 (दिनांक 3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 20/2000 आरबी) में, विनियम 2 में (hereinafter.... मूल विनियमावली)

- (क) परिभाषा सं. (ii) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा और दिनांक 1 मई, 2007 से प्रतिस्थापित माना जाएगा।
“(ii) “पूँजी” से इक्विटी शेयर, अधिमान शेयर और परिवर्तनीय डिबेंचर अभिप्रेत है”,
- (ख) खंड (ii क) के बाद निम्नलिखित नया खंड सन्निविष्ट किया जाएगा और दिनांक 1 मई, 2007 से सन्निविष्ट माना जाएगा।
“(iiख) “अधिमान शेयरों” का तात्पर्य अनिवार्य और बाध्यकर रूप से परिवर्तनीय अधिमान शेयर होगा”
- (ग) इस प्रकार सन्निविष्ट खंड (ii ख) के बाद निम्नलिखित नया खंड सन्निविष्ट किया जाएगा और दिनांक 8 जून, 2007 से सन्निविष्ट माना जाएगा।
“(iiग) “डिबेंचर” का तात्पर्य अनिवार्य और बाध्यकर रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर होगा”

3. **विनियमावली 5 में संशोधन** - मूल विनियमावली में वर्तमान विनियम 5 के उपविनियम 6 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा और दिनांक 31 दिसम्बर 2007 से प्रतिस्थापित माना जाएगा;

"6. पंजीकृत संस्थागत निवेशक जिसे विदेशी मुद्रा नियंत्रण अधिनियम 1973 और विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम 1999 के अनुसार वैध मंजूरी है रिजर्व बैंक / सेबी द्वारा स्वीकृत सभी exchange traded derivative contract में आर बी आई / सेबी द्वारा नियत सीमा एवं मार्जिन अपेक्षा तथा रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर निदेशीत समपार्श्व प्रतिभूति (collateral securities) के लिये अनुबंधों के अधिन व्यापार कर सकता है ।

4. **विनियमावली 6आ में संशोधन** - मूल अवनियमावली में, वर्तमान विनियम 6आ को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा :

"इन विनियमों के अनुसार अधिकार निर्गम शेयर अथवा बोनस शेयर जारी करनेवाली कंपनी मूल विनियमावली की अनुसूची 1 के पैरा 9(1) (आ) में यथानिर्धारित फार्म एफसी-जीपीआर में रिजर्व बैंक को रिपोर्ट करेगी ।"

5. **विनियम 10 में संशोधन** - मूल विनियमावली में, विनियम 10 में, उप-विनियम अ मेक, खण्ड (ख) के बाद, स्पष्टीकरण के पहले निम्नलिखित को सन्निविष्टित किया जाएगा और दिनांक फरवरी 10, 2006 से सन्निविष्टित माना जाएगा, अर्थात् :

"(ग) बिक्री के तौर पर, कोई प्रतिभूति अपने अनुमोदन हेतु रिजर्व बैंक को आवेदन करेगा यदि,

- i) भारतीय कंपनी के कार्यकलाप, जिसकी प्रतिभूतियां अंतरित की जा रही हैं, स्वतः अनुमोदित मार्ग के तहत नहीं आती हैं और उपर्युक्त अंतरण के लिए विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त किया गया है;
- ii) भारतीय कंपनी के कार्यकलाप, जिसकी प्रतिभूतियां अंतरित की जा रही हैं, वित्तीय सेवा क्षेत्र के तहत आती हैं;
- iii) अंतरण सेबी (सब्सटेंशियल एक्विजिशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) विनियमावली, 1997 के प्रावधानों के अंतर्गत हैं;
- iv) अंतरण, समय-समय पर रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट मूल्य निर्धारण मार्गदर्शी सिद्धांतों के मूल्य के तहत नहीं आता है ।"

6. **अनुसूची 1 में संशोधन**- मूल विनियमावली की अनुसूची 1 में,

i) पैरा 1 में,

(क) उप-पैरा (2) को निम्नलिखित से प्रस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(2) इस योजना के तहत शेयरों खरीदनेवाला व्यक्ति का सहयोगी होना प्रस्तावित है अथवा एक नई भारतीय कंपनी के संपूर्ण शेयरधारिता को अधिगृहीत करने का प्रस्ताव है, तो वह केंद्र

सरकार की पूर्वानुमति प्राप्त करे, यदि उसका, जनवरी 12, 2005 को, उसी क्षेत्र में, जिसमें भारतीय कंपनी है, वर्तमान में संयुक्त उद्यम अथवा तकनीकी अंतरण / ट्रेडमार्क करार है।"

(ख) उप पैरा (2) के बाद निम्नलिखित परंतु जोड़ा जाएगा, और यह संशोधन जनवरी 12, 2005¹ से लागू समझा जाएगा अर्थात्:

" बशर्ते सेबी के पास पंजीकृत उद्यम पूंजी निधियों द्वारा किए जानेवाले निवेशों; बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं द्वारा निवेशों; अथवा जहां दोनों पार्टियों द्वारा वर्तमान संयुक्त उद्यम में निवेश 3% से कम है; अथवा जहां वर्तमान संयुक्त उद्यम / सहयोग समाप्त अथवा रुग्ण है अथवा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र अथवा खनन क्षेत्र में लगी किसी भारतीय कंपनी के शेयरों के अंतरण के लिए केंद्र सरकार के पूर्वानुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी यदि उस व्यक्ति का, जिसे शेयर अंतरित किया जाना है, उसी क्षेत्र / खनिज के लिए सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र अथवा खनन क्षेत्र में वर्तमान संयुक्त उद्यम अथवा तकनीकी अंतरण / ट्रेडमार्क करार है।"

ii) पैर 2 में, उप पैरा (1) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा और यह दिनांक फरवरी 10, 2006 से प्रतिस्थापित माना जाएगा अर्थात्:

" (1) संलग्नक अ में उल्लिखित किसी कार्यकलाप / क्षेत्र में नहीं लगी हुई भारतीय कंपनी, भारत के बाहर निवासी व्यक्ति को संलग्नक आ में विनिर्दिष्ट प्रवेश मार्गों के अनुसार उसमें निर्धारित सीमा और समय-समय पर वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यथा अधिसूचित विदेश निवेश नीतिके प्रावधानों के अधीन शेयर अथवा परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर सकती है।"

" बशर्ते शेयर अथवा परिवर्तनीय डिबेंचर भारतीय कंपनी द्वारा किसी भारतीय कंपनी के वर्तमान शेयरों के अधिग्रहण की दृष्टि से जारी नहीं किए जा रहे हैं।

स्पष्टीकरण : कंपनी, जो इस अनुसूची के संलग्नक आ में शामिल क्रियाकलाप अथवा मदों का निर्माण करने के लिए योजना विस्तार में लगने का प्रस्ताव करती है, वे इस पैरा के प्रावधानों के अनुपालन के अधीन संलग्नक आ में दर्शाई गई सीमा तक वित्तपोषण विस्तार योजना के प्रयोज

¹ यह संशोधन जनवरी 12, 2005 से लागू समझा जाता है, इस तारीख को भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग ने अपना प्रेस नोट सं. 1 (2005 सिरीज) जारी किया था।

न हेतु उसके द्वारा जारी किए जाने के लिए प्रस्तावित नई पूंजी में से शेयर अथवा डिबेंचर जारी कर सकती है।"²

iii) पैरा 2 में, उप-पैरा (2) को हट दिया जाएगा।

iv) पैरा 2 में उप-पैरा (3), (4) और (5) को क्रमशः उप-पैरा (2), (3) और (4) के रूप में पुनः संख्या दी जाएगी।

v) पैरा 3 का निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

"3. सरकार के अनुमोदन की अपेक्षा रखनेवाली कंपनी द्वारा शेयरों का निर्गम- इन विनियमों के अनुसार भारत के बाहर निवासी व्यक्ति को शेयर जारी करने का इरादा रखनेवाली भारतीय कंपनी भारत सरकार के विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड से पूर्वानुमोदन प्राप्त करे, यदि कंपनी

(क) संलग्नक अ(अ) में दी गई किसी कार्यकलाप में लगी है अथवा लगने का प्रस्ताव है; अथवा

(ख) संलग्नक आ में "प्रवेश मार्ग" स्तंभ में निर्धारित विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड के तहत आती है;

अथवा

(ग) आवक प्रेषणों के अलावा अर्थात् भुगतान के लिए देय रॉयल्टी/एक मुश्त फीस से इतर प्रतिफलों की जमानत पर भारत से बाहर के निवासी व्यक्ति को शेयर जारी करने का प्रस्ताव; अथवा

(घ) परिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त बाह्य वाणिज्यिक उधार (माने गए बाह्य वाणिज्यिक उधार को छोड़कर) की जमानत पर भारत से बाहर के निवासी व्यक्ति को 28 नवम्बर 2003 या उसके बाद शेयर जारी करना प्रस्तावित³

vi) पैरा 4 में,

i) उप पैरा (2) में, "संलग्नक इ में विनिर्दिष्ट फार्म" शब्दों के लिए "फार्म डी आर" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

ii) उप पैरा (3) में, "संलग्नक ई में विनिर्दिष्ट फार्म" शब्दों के लिए "फार्म डी आर-क्वार्टरली" को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

² यह संशोधन फरवरी 10, 2006 से लागू समझा जाता है, इस तारीख को भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग ने अपना प्रेस नोट सं. 4 (2006 सिरिज) जारी किया था।

³ यह संशोधन भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग द्वारा 28 नवम्बर 2003 को जारी प्रेस नोट सं. 4 (2003) के अनुसार जुलाई 29, 2003 से लागू समझा जाता है।

vii) पैरा 4 आ के लिए निम्नलिखित नए पैरा को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"4आ. भारतीय कंपनी, विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड और सामान्य शेयर (निक्षेपागार रसीद व्यवस्था के माध्यम से) योजना, 1993 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किए जानेवाले मूल्य पर और समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत तथा रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर निर्देशित रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के अनुसार अपने शेयरधारकों द्वारा धारित शेयरों की जमानत पर किसी समुद्रपारीय निक्षेपागार के साथ एडीआर/जीडीआर के निर्गम को प्रायोजित कर सकता है।"

viii) पैरा 5अ को हटा दिया जाएगा

ix) पैरा 6 के लिए निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"6. एडीआर/जीडीआर का निर्गम मूल्य: भारत के बाहर निवासी व्यक्ति को जारी किए जानेवाले एडीआर/जीडीआर का मूल्य निर्धारण भारतीय कंपनी, विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड और सामान्य शेयर (निक्षेपागार रसीद व्यवस्था के माध्यम से) योजना, 1993 के प्रावधानों के अनुसार और समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के तहत निर्धारित किया जाएगा।"

(x) 6.(ii) पैरा 9 में (i) उप-पैरा में -

'क) खंड (अ) शब्द 'रिपोर्ट' को 'इस अनुसूची के अनेक्स सी में निर्दिष्ट फार्म में

रिपोर्ट' शब्दों से प्रतिस्थापित किया जाएगा

(ख) खंड (आ) उपखंड (घ) शब्द और अंक "पैरा 9 के अनुसार" को शब्द और

अंक "पैरा 8 के अनुसार" से प्रतिस्थापित किया जाएगा

(ii) खंड (आ) के बाद, अंत में निम्नलिखित नया खंड (इ) जोड़ दिया जाएगा. अर्थात् :-

(इ) भारतीय कंपनी द्वारा advance against equity के रूप में प्रतिफल राशि की प्राप्ति

30 दिनों के अंदर रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, जिसके अधिकार क्षेत्र में कंपनी का

पंजीकृत कार्यालय है, अनेक्स सी में विनिर्दिष्ट फार्म में रिपोर्ट की जाएगी।

(xi) वर्तमान विनियमों के संलग्नक अ और संलग्नक आ को इन विनियमों के क्रमशः "संलग्नक

अ" और "संलग्नक आ" के रूप में प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(xii) वर्तमान विनियमों के संलग्नक इ और संलग्नक ई को क्रमशः "फार्म डीआर" और

"फार्म डीआर-क्वार्टरली" के रूप में पुनः नाम दिया जाएगा।

- (xiii) वर्तमान विनियमों के संलग्नक ड. को हटा दिया जाएगा।
- (xiv) वर्तमान विनियमों में " फार्म एफसी-जीपीआर " को इन विनियमों के संलग्नक ई में निर्धारित फार्मेट द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

7. अनुसूची 4 में संशोधन- मूल विनियमावली में, अनुसूची 4 में, पैरा 2 में, परंतुकों को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

"बशर्ते खंड (i) के अनुसार जिस व्यक्ति को शेयर अंतरित किए जा रहे हैं वह शेयर अधिग्रहण के लिए केंद्र सरकार की पूर्वानुमति प्राप्त करे, यदि उसका, जनवरी 12, 2005 को, उसी क्षेत्र में, जिसमें उस कंपनी का, जिसके

शेयर अथवा डिबेंचर उसके द्वारा अधिगृहीत किए जाने हैं, वर्तमान में संयुक्त उद्यम अथवा तकनीकी तरण/ ट्रेडमार्क करार है। बशर्ते इसके अलावा केंद्र सरकार से निम्नलिखित के लिए किसी पूर्वानुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी :

(क) एशियन डेवलपमेंट बैंक, अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम, कॉमन वेल्थ विकास निगम, ड्यूइश न्टविक्लुंग्स गेस्सेल्शाफ्ट (डीईजी) जैसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को शेयरों के अंतरण के लिए:

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी अथवा खनन क्षेत्र में कार्यरत किसी भारतीय कंपनी के शेयरों का अंतरण, यदि उस व्यक्ति का, जिसे शेयर अंतरित किए जाने हैं, सूचना प्रौद्योगिकी अथवा खनन क्षेत्र में भी वर्तमान संयुक्त उद्यम अथवा तकनीकी अंतरण / ट्रेडमार्क करार है।

(ग) सेबी के पास पंजीकृत उद्यम पूंजी निधियों द्वारा निवेश किया जाना है; बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं अथवा जहां वर्तमान संयुक्त उद्यम निवेश दोनों पार्टियों द्वारा 3% से कम है या जहां वर्तमान संयुक्त उद्यम / सहयोग समाप्त अथवा रुग्ण है द्वारा निवेश।"

8. अनुसूची 5 में संशोधन - मूल विनियमावली में, अनुसूची 5 में,

(i) वर्तमान पैरा 1 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा:

" 1. प्रतिभूति खरीदने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशकों को अनुमति-

पंजीकृत संस्थागत निवेशक समय-समय पर रिजर्व बैंक तथा सेबी द्वारा निर्देशित परिसीमा के अधीन प्रत्यावर्तन आधार पर दिनांकित सरकारी प्रतिभूति / खजाना बिल, किसी भारतीय कंपनी द्वारा जारी सूचीबद्ध अपरिवर्तनीय डिबेंचर/बांड, वाणिज्यिक पत्र और घरेलू म्यूचुअल फंड के यूनिट और परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूति पावती, और भारत में बैंकों द्वारा अपनी पूंजी को बढ़ाने के लिये जारी दीयर। पूंजी के रूप शामिल होने के लिए पात्र बेमीयादी

ऋण लिखतों और उच्च टीयर II पूंजी के रूप में ऋण पूंजी लिखतों की खरीद आरबीआई, सेबी द्वारा समय-समय पर नियत सिमाओं के अधिन, ऐसे प्रतिभूतियों के जारीकर्ता से सीधे अथवा भारत में पंजीकृत स्टॉक एक्सचेंज में पंजीकृत स्टॉक ब्रोकर के माध्यम से कर सकता है: बशर्ते;

- i) विदेशी संस्थागत निवेशक 70:30 के अनुपात में इक्विटी और ऋण लिखतों (भारतीय पूंजी बाजार में दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों और खजाना बिलों सहित) के बीच इसके कुल निवेश के आबंटन को सीमित करेगा,
- ii) यदि विदेशी संस्थागत निवेशक खजाना बिलों, भारतीय कंपनी द्वारा जारी अपरिवर्तनीय डिबेंचर/बांडों सहित दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में 100 प्रतिशत तक निवेश करना चाहता है तो, यह 100% ऋण निधि तैयार करेगा और ऐसी निधि को सेबी के पास पंजीकृत करेगा।
- iii) प्रतिभूति पावती की याजना की प्रत्येक श्रृंखला में किसी एकल विदेशी संस्थागत निवेशक की धारिता निर्गम के 10% से अधिक नहीं होगी और सभी विदेशी संस्थागत निवेशकों को मिलाकर उनकी कुल धारिता परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा जारी प्रतिभूति पावती योजना की प्रत्येक श्रृंखला के चुकता मूल्य के 49% से अधिक नहीं होगी। और
- iv) सभी विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा बेमीयादी ऋण लिखतों (टीयर I) में निवेश प्रत्येक निर्गम के 49% से अधिक नहीं होगा और एकल विदेशी संस्थागत निवेशक द्वारा निवेश प्रत्येक निर्गम के 10% से अधिक नहीं होगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों का ऋण पूंजी लिखतों (टीयर II) में निवेश सेबी द्वारा विदेशी संस्थागत निवेशकों के निगमित ऋण में निवेश के लिये नियत परिसीमा के अंदर होगा।

बशर्ते इसके अलावा कि विदेशी संस्थागत निवेशक उप-विनियम 6 में यथाविनिर्दिष्ट एक्सचेंज ट्रेडेड डेरिवेटिव्स संविदा व्यापार में अपने लेनदेनों के लिए भारत में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों को कोलेटेरल के रूप में समय-समय पर रिजर्व बैंक द्वारा यथानुमत ऐसी प्रतिभूतियां जारी कर सकते हैं।"

(ii) 1(अ) अनिवासी भारतीय, परिसीमा से बिना प्रत्यावर्तन आधार पर खरीद सकता है।

- i) दिनांकित सरकारी प्रतिभूति (धारक प्रतिभूतियों के अलावा) या खजाना बिल या घरेलू म्यूचुअल फंड के यूनिट
- ii) भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा जारी किये गए बांड
- iii) भारत सरकार द्वारा विनिवेशित सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के शेयर बशर्ते की खरीद, बोली आमंत्रित करने की नोटीस में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार है

1(आ) अनिवासी भारतीय, रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार भारत में बैंको द्वारा अपनी पूंजी बढ़ाने के लिये जारी टीयर I पूंजी के रूप शामिल होने के लिये पात्र बेमीयादी ऋण लिखतों और उच्च टीयर II पूंजी के रूप में ऋण पूंजी लिखतों की खरीद प्रत्यावर्तन आधारपर कर सकता है ।

सभी अनिवासी भारतीयों द्वारा बेमीयादी ऋण लिखतों (टीयर I) में निवेश, प्रत्येक निर्गम के 24% से अधिक नहीं होगा और एकल अनिवासी भारतीय द्वारा निवेश, प्रत्येक निर्गम के 5% से अधिक नहीं होगा । अनिवासी भारतीयों द्वारा ऋण पूंजी लिखतों (टीयर II) में निवेश, उनके ऋण लिखतों में निवेश के लिये मौजूदा नीति के अनुसार होगा ।

[सं. फेमा 179/2008-आरबी]

सलीम गंगाधरन, प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

पाद टिप्पणी : मूल विनियमावली सरकारी राजपत्र में दिनांक 8 मई, 2000 के सं.सा.का.नि. 406(अ) में भाग II, खंड 3, उप-खंड (ii) में प्रकाशित किए गए और तत्पश्चात् निम्नानुसार संशोधित किया गया है :

- दिनांक 02-03-2001 का सं. सा.का.नि. 158(अ)
- दिनांक 13-03-2001 का सं. सा.का.नि. 175(अ)
- दिनांक 14-03-2001 का सं. सा.का.नि. 182(अ)
- दिनांक 02-01-2002 का सं. सा.का.नि. 4(अ)
- दिनांक 19-8-2002 का सं. सा.का.नि. 574(अ)
- दिनांक 18-3-2003 का सं. सा.का.नि. 223(अ)
- दिनांक 18-3-2003 का सं. सा.का.नि. 225(अ)
- दिनांक 22-7-2003 का सं. सा.का.नि. 558(अ)
- दिनांक 23-1-2003 का सं. सा.का.नि. 835(अ)
- दिनांक 22-11-2003 का सं. सा.का.नि. 899(अ)
- दिनांक 07-01-2004 का सं. सा.का.नि. 12(अ)
- दिनांक 23-04-2004 का सं. सा.का.नि. 278(अ)
- दिनांक 16-07-2004 का सं. सा.का.नि. 454(अ)
- दिनांक 21-09-2004 का सं. सा.का.नि. 625(अ)
- दिनांक 08-12-2004 का सं. सा.का.नि. 799(अ)
- दिनांक 01-04-2005 का सं. सा.का.नि. 201(अ)
- दिनांक 01-04-2005 का सं. सा.का.नि. 202(अ)
- दिनांक 25-07-2005 का सं. सा.का.नि. 504(अ)
- दिनांक 25-07-2005 का सं. सा.का.नि. 505(अ)
- दिनांक 29-07-2005 का सं. सा.का.नि. 513(अ)
- दिनांक 22-12-2005 का सं. सा.का.नि. 738(अ)
- दिनांक 19-01-2006 का सं. सा.का.नि. 29(अ)
- दिनांक 11-07-2006 का सं. सा.का.नि. 413(अ)
- दिनांक 14-11-2007 का सं. सा.का.नि. 712(अ)
- दिनांक 14-11-2007 का सं. सा.का.नि. 713(अ)
- दिनांक 29-11-2007 का सं. सा.का.नि. 737(अ)
- दिनांक 05-08-2008 का सं. सा.का.नि. 575(अ)

अनुबंध अ

(अनुसूची 1 का पैराग्राफ 2 देखें)

(अ) निम्नलिखित परिस्थितियों में सभी कार्यकलापों/क्षेत्रों में विदेशी निवेश के लिए भारत सरकार से पूर्वानुमोदन की आवश्यकता होगी।

- I. जहाँ भारत सरकार द्वारा जारी प्रेस नोट 1(2005 श्रृंखला) के प्रावधान आरोप्यणीय हों।
- II. जहाँ 24% से अधिक की विदेशी ईक्विटी, लघु उद्योग इकाई क्षेत्र में आरक्षित मदों के विनिर्माण के लिए प्रस्तावित हो।

(आ) विदेशी निवेश के लिए निषिद्ध क्षेत्र

- I. खुदरा व्यापार
- II. परमाणु ऊर्जा
- III. लॉटरी कारोबार
- IV. जुआ और सट्टेबाजी
- V. चिट फंड कारोबार
- VI. निधि कंपनी, अथवा
- VII. अंतरणीय विकास अधिकारों (टीडीआर) के व्यापार में
- VIII. कार्यकलापों / क्षेत्र में निजी क्षेत्र निवेश की अनुमति नहीं है

अनुबंध आ

(अनुसूची 1 का पैराग्राफ 2 देखें)

विदेशी निवेश के लिए विशिष्ट-क्षेत्र नीति

विदेशी निवेश के लिए निम्नलिखित विशिष्ट क्षेत्रों/कार्यकलापों में अन्य यथानिर्दिष्ट शर्तों के अधीन नीचे उल्लिखित सीमा तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति है। निम्नलिखित विशिष्ट क्षेत्रों/कार्यकलापों में जिनका उल्लेख नहीं है, उन्हें स्वतः अनुमोदित मार्ग से नीचे उल्लिखित लागू क्षेत्रीय सेक्टरल नियमों/विनियमों शर्तों के अधीन 100% सीमा तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति है।

क्रमांक	क्षेत्र/कार्यकलाप	एफडीआई कैप/ इक्विटी	प्रवेश मार्ग	अन्य शर्तें
	कृषि			
1.	पुष्प-कृषि, बागवानी, बीज विकास, पशुपालन, मत्स्यपालन, जलीय जंतु	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	

	पालन , नियंत्रित परिस्थितियों में सब्जियों और मशरूम उगाना तथा कृषि और उससे सम्बद्ध सेवाएं पाद टिप्पणी: उपर्युक्त को छोड़कर अन्य कृषि क्षेत्र/ कार्यकलाप के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति नहीं है।			
2	बागानी समेत चाय क्षेत्र पाद टिप्पणी: उपर्युक्त को छोड़कर बागानी के अन्य क्षेत्र/ कार्यकलाप के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति नहीं है।	100%	एफआईपीबी	भारतीय साझेदार/ जनता के पक्ष में पांच वर्ष के भीतर इक्विटी का 26 % विनिवेश और भविष्य में जमीन के उपयोग हेतु संबंधित राज्य की अनुमति के अधीन
	उद्योग			
	खनन			
3.	खनन इसके अंतर्गत हीरे जवाहरात और बेशकीमती पत्थर, सोना , चांदी और खनिजों की खोज और खनन आता है ।	100%	स्वतःअनुमोदित मार्ग	खान और खनिज(विकास और विनियमन)अधिनियम 1957 के अधीन जहाँ तक खनन क्षेत्र का संबंध है वहाँ 100 प्रतिशत कंपनियां स्थापित करने के लिए नोट 18 (1998) तथा प्रेस नोट 1(2005)लागू नहीं होगी बशर्ते कि आवेदक से इस आशय का घोषणापत्र प्राप्त हो कि उनके पास उसी क्षेत्र और/ अथवा विशिष्ट खनिज के लिए वर्तमान में संयुक्त उद्यम नहीं है। (www.mines.nic.in)
4.	कोयला और लिग्नाइट कोयला खनन (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 के अधीन भारतीय निजी कंपनियां जो सीमित उपभोग के लिए पॉवर परियोजनाएं और कोयले अथवा लिग्नाइट की परियोजनाएं लगा रही हैं अथवा उनका कार्य-संचालन कर रही हैं ।	100%	स्वतःअनुमोदित मार्ग	कोयला खनन (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम,1973 के अधीन (www.coal.nic.in)
5.	खनन और खनिज खनिज और अयस्क लगे टिटेनियम को और उसे	100 प्रतिशत	एफआईपीबी	क्षेत्रीय विनियम और खनन तथा खनिज (विकास और विनियमन)अधिनियम,1957 तथा

	<p>उत्कृष्ट बनाने तथा एकीकरण संबंधी कार्यकलाप</p> <p>भारत सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा 18 जनवरी 2006 को जारी अधिसूचना सं. एस.ओ.61(ई) में सूचीबद्ध पदार्थों के खनन के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति नहीं है।</p>			<p>निम्नलिखित शर्तों के अधीन</p> <p>(i) तकनीकी अंतरण के साथ उत्कृष्टता संबंधी सुविधाएं भारत के भीतर लगायी गयी हैं।</p> <p>(ii) खनिजों की सफाई के दौरान निकलने वाले कूड़े-करकट का निपटान परमाणु ऊर्जा नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्मित विनियम जैसे कि परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियमावली 2004, परमाणु ऊर्जा (रेडियो धर्मिता कूड़े का सुरक्षित निपटान) नियमावली 1987 के अनुरूप किया जायेगा।</p>
विनिर्माण				
6.	एल्कोहल और डिस्टिलेशन तथा मद्यनिर्माण	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	उपयुक्त प्राधिकरण से लाइसेंस प्राप्त करके
7.	सिगारेट और सिगरेट-निर्माण	100%	एफआईपीबी	उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करके
8.	काँफी और रबड़ प्रसंस्करण तथा भंडारण	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	--
9.	प्रतिरक्षा उत्पादन	26%	एफआईपीबी	उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 और आर्म्स एंड एम्युनिशंस उत्पादन के लिए दिशा-निर्देशों के अधीन औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करके
10.	खतरनाक रसायन जैसे कि हाइड्रोसाइनिक एसिड और इसके व्युत्पन्न, फार्मजीन और उसके व्युत्पन्न, आइसोसाइनेट और हाइड्रोकार्बन के डाई-आइसोसानेट	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 और अन्य क्षेत्रीय विनियमों के अधीन औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करके
11.	औद्योगिक विस्फोटक - निर्माण	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 और विस्फोटक अधिनियम, 1898 के अधीन निर्मित विनियमों के अधीन औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करके
पॉवर				

12	पाँवर में विद्युत उत्पादन (परमाणु ऊर्जा को छोड़कर), प्रसारण, वितरण और विद्युत व्यापार शामिल हैं ।	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के अधीन (www.powermin.nic.in)
सेवाएं				
नागरिक विमानन क्षेत्र				
13.	हवाई अड्डे			
(क)	ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित क्षेत्रीय विनियमों के अधीन (www.civilaviation.nic.in)
(ख)	वर्तमान प्रोजेक्ट	100%	74% से अधिक के लिए एफआईपीबी	नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित क्षेत्रीय विनियमों के अधीन (www.civilaviation.nic.in)
14.	वायु परिवहन सेवाओं में स्वदेशी अनुसूचित यात्री एयरलाइंस, गैर-अनुसूचित स्वदेशी यात्री एयरलाइंस, चार्टर्ड एयरलाइंस, कारगो एयरलाइंस, तथा सीप्लेन सर्विसेज			
(क)	अनुसूचित वायु परिवहन सेवाएं / स्वदेशी अनुसूचित यात्री एयरलाइंस	अनिवासी भारतीयों के लिए 100% अन्य के लिए 49%	स्वतः अनुमोदित	विदेशी एयरलाइंस और क्षेत्रीय विनियमों के द्वारा किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष इक्विटी सहभागिता की अनुमति नहीं है।
(ख)	गैर-अनुसूचित वायु परिवहन सेवाएं / गैर-अनुसूचित एयरलाइंस, चार्टर्ड एयरलाइंस और कारगो एयरलाइंस,	अनिवासी भारतीयों के लिए 100% अन्य के लिए 74%	स्वतः अनुमोदित	विदेशी एयरलाइंस की गैर-अनुसूचित वायु परिवहन सेवाओं और चार्टर्ड एयरलाइंस द्वारा किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष इक्विटी सहभागिता की अनुमति नहीं है। कारगो एयरलाइंस संचालित करने वाली विदेशी एयरलाइंस को इक्विटी कंपनियों में सहभागिता की अनुमति है। क्षेत्रीय विनियम भी लागू हैं।
(ग)	डीजीसीए की अनुमोदन अपेक्षित हेलीकॉप्टर सर्विसेज / सीप्लेन सर्विसेज	100%	स्वतः अनुमोदित	हेलीकॉप्टर सर्विसेज / सीप्लेन सर्विसेज संचालित करने वाली विदेशी एयरलाइंस को इक्विटी कंपनियों में सहभागिता की अनुमति है। क्षेत्रीय विनियम भी लागू हैं।
15.	नागरिक विमानन क्षेत्र की अन्य सेवाएं			
(क)	ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज	अनिवासी भारतीयों के लिए 100% अन्य के लिए 74%	स्वतः अनुमोदित	क्षेत्रीय विनियमों और सुरक्षा निकासी के अधीन हैं।

(ख)	रखरखाव और मरम्मत संगठन ; संस्थागत उद्भयन प्रशिक्षण संस्थाएं और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थाएं	100%	स्वतः अनुमोदित	--
16.	परिसंपत्ति पुर्नसंरचना कंपनियां	49%(केवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेशको के लिए)	एफआईपीबी	जहाँ किसी व्यक्ति के निवेश इक्विटी के 10% से बढ़ जाता है तो वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और प्रतिभूति ब्याज अधिनियम 2002 प्रवर्तन की धारा 3(3) के प्रावधानों का अनुपालन किया जाये ।
17.	बैंकिंग- निजी क्षेत्र	74% (विदेशी प्रत्यक्ष निवेश +विदेशी संस्थागत निवेश) इस सीमा के अंदर संस्थागत निवेशकों के निवेश 49% से अधिक नहीं ।	स्वतः अनुमोदित	भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी बैंकों की शाखाएं/ उनकी सहायक संस्थाएं खोलने के जारी दिशा-निर्देशों के अधीन (www.rbi.org.in)
18.	प्रसारण			
(क)	एफएम रेडियो	विदेशी प्रत्यक्ष निवेश +विदेशी संस्थागत निवेश - 20% तक निवेश	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित दिशा-निर्देशों के अधीन (www.mib.nic.in)
(ख)	केबल नेटवर्क	विदेशी प्रत्यक्ष निवेश +विदेशी संस्थागत - 49%	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित केबल टेलिविजन नेटवर्क नियमावली (1994) के अधीन (www.mib.nic.in)
(ग)	डाइरेक्ट -टु -होम	49% - (विदेशी प्रत्यक्ष निवेश +विदेशी संस्थागत निवेश) इस सीमा के अंदर संस्थागत निवेशकों के निवेश का हिस्सा 20% से अधिक नहीं ।	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित दिशा-निर्देशों के अनुसार (www.mib.nic.in)
(घ)	धातु सामग्री सुविधाएं जैसे कि अप-लिकिंग, हब आदि स्थापित करना ।	49% - विदेशी प्रत्यक्ष निवेश +विदेशी संस्थागत निवेश ।	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित अप-लिकिंग पॉलिसी के अनुसार (www.mib.nic.in)
(ङ)	समाचार और सामयिक विषयों, टीवी, चैनल्स की अप-लिकिंग	26% - विदेशी प्रत्यक्ष निवेश +विदेशी संस्थागत निवेश ।	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार (www.mib.nic.in)

(च)	गैर समाचार और सामयिक विषयों, टीवी, चैनल्स की अप-लिकिंग	100%	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार (www.mib.nic.in)
19.	पण्य विनिमय	49% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश- 26% विदेशी संस्थागत निवेश-23%	एफआईपीबी	विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदें सेकेंडरी मार्केट तक ही सीमित रहेंगी । संबंधित विनियामकों के द्वारा विनिर्दिष्ट विनियमों के अंतर्गत
20	विनिर्माण विकास परियोजनाएं- इसमें आवास, व्यावसायिक परिसर, रिसार्ट, शैक्षिक संस्थाएं, मनोरंजन सुविधाएं तथा शहर और क्षेत्रीय बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं । पाद टिप्पणी : स्थावर संपदा के क्षेत्र में विदेशी संस्थागत निवेश की अनुमति नहीं है ।	100%	स्वतः अनुमोदित	निम्नलिखित को शामिल करते हुए प्रेस नोट 2(2005 सिरीज) द्वारा अधिसूचित शर्तों के अधीन (i) पूर्ण स्वाधिकृत सहायक संस्थाओं के मामले में 10 मिलियन अमरीकी डॉलर और भारतीय साझेदारों के साथ संयुक्त उद्यमों के मामले में 5 मिलियन अमरीकी डॉलर का न्यूनतम पूंजीकरण । (ii) सर्विस्ड हाउसिंग प्लाट के विकास के मामले में - 10 हेक्टेयर ; और विनिर्माण - विकास परियोजना के मामले में - 50,000 वर्ग मीटर [टिप्पणी 1: अनिवासी भारतीय निवेशकों के लिए प्रेस नोट 2(2005 सिरीज) में उल्लिखित शर्तें लागू नहीं हैं। टिप्पणी 2: विशेष आर्थिक क्षेत्र, होटल और अस्पताल में निवेश के लिए प्रेस नोट 2(2005 सिरीज) में उल्लिखित शर्तें लागू नहीं हैं।]
21	पैकेज, पार्सेल्स और अन्य वस्तुएं जो कि भारतीय डाकघर अधिनियम 1898 के दायरे में नहीं आती है के लिए कुरियर सेवाएं	100%	एफआईपीबी	वर्तमान कानून और पत्रों के वितरण संबंधी उन कार्य कलापों को छोड़कर जो कि विशेष रूप से राज्य सरकार के लिए सुरक्षित हैं । (www.indiapost.gov.in)

22.	प्रतिभूति बाजार में वित्तीय बुनियादी ढाँचा स्टॉक एक्सचेंज, निक्षेपागार और समाशोधन निगम	49% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश- 26% विदेशी संस्थागत निवेश-23%	एफआईपीबी	विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदें सेकेंडरी कार्केट तक ही सीमित रहेंगी । संबंधित विनियामकों के द्वारा विनिर्दिष्ट विनियमों के अंतर्गत
23.	क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियां	49% (विदेशी प्रत्यक्ष निवेश+विदेशी संस्थागत निवेश) इस सीमा के अंदर संस्थागत निवेशकों का निवेश 24% से अधिक न हो ।	एफआईपीबी	क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियों में विदेशी संस्थागत निवेश क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनीज (विनियमावली) ऐक्ट 2005 के अधीन संबंधित विनियामकों के द्वारा विनिर्दिष्ट विनियमों के अंतर्गत ।
24.	औद्योगिक पार्क बनाने तथा बने पार्क दोनों के लिए	100%	स्वतः अनुमोदित	विनिर्माण विकास परियोजनाओं पर प्रेस नोट 2(2005 सिरीज) में उल्लिखित लागू शर्तें औद्योगिक पार्कों पर लागू नहीं होगी बशर्ते औद्योगिक पार्क निम्नलिखित शर्तें पूरी करते हों । । यह कम से कम 10 यूनिट का और एक एकल यूनिट आबंटनीय क्षेत्रफल से 50%में फैला हो । ।। औद्योगिक कार्यकलापों के लिए आबंटित किया जाने वाला क्षेत्र कुल आबंटित क्षेत्रफल का कम से कम 66%हो ।
25.	बीमा	26%	स्वतः अनुमोदित	बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आइआरडीए) से लाइसेंस के अधीन (www.irda.nic.in.)
26.	बुनियादी/सेवा क्षेत्र (दूर संचार क्षेत्र को छोड़कर) में निवेश	100%	एफआईपीबी	जहाँ पर विदेशी निवेश की सेक्टरल लिमिट निर्धारित है , निर्धारित कैप के लिए केवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर विचार कि जा सकता है और विदेशी निवेश करने वाली किसी कंपनी में विदेशी निवेश इस कैप से अलग नहीं की जा सकती है बशर्ते कि

				ऐसी निवेश करने वाली ऐसी कंपनी का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 49% से अधिक न हो और निवेश करने वाली ऐसी कंपनी का प्रबंध भारतीय स्वामियों के पास हो ।
27.	गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां			
i)	मर्चेंट बैंकिंग	100%	स्वतः अनुमोदित	<p>निधि आधारित एनबीएफसी के लिए न्यूनतम पूंजीकरण मानदंड</p> <p>(क) 51 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष निवेश के लिए 0.5 मिलियन अमरीकी डॉलर अपफ्रंट लाया जाए।</p> <p>यदि प्रत्यक्ष निवेश 51 प्रतिशत से अधिक और 75 प्रतिशत तक हो, तो 5 मिलियन अमरीकी डॉलर अपफ्रंट लाया जाए।</p> <p>यदि प्रत्यक्ष निवेश 75 प्रतिशत से अधिक और 100 प्रतिशत तक हो तो 50 मिलियन अमरीकी डॉलर, जिसमें 7.5 मिलियन अमरीकी डॉलर अपफ्रंट लाया जाए और शेष 24 महीनों में।</p> <p>(ख) गैर-निधि आधारित एनबीएफसी कार्यकलापों के लिए न्यूनतम पूंजीकरण मानदंड-0.5 मिलियन अमरीकी डॉलर।</p> <p>(ग) विदेशी निवेशक भारतीय कंपनियों के अपने इक्विटी के कम से कम 25% तक विनिवेश के अलावा 100% तक परिचालनात्मक कंपनियां स्थापित कर सकते हैं बशर्ते कि ऐसी कंपनियां परिचालनात्मक कंपनियों की सख्या पर बिना किसी प्रतिबंध के 50 मिलियन अमरीकी डॉलर लाने के अधीन (अतिरिक्त पूंजी लाए बिना परिचालनात्मक कंपनियों की सख्या के प्रतिबंध को छोड़कर)</p> <p>घ) एनबीएफसी परिचालन के संयुक्त उद्यम जिनके 75 प्रतिशत अथवा 75 प्रतिशत से कम विदेशी</p>
ii)	अडिटरराइटिंग			
iii)	संविभाग प्रबंध सेवा			
iv)	निवेश परामर्श सेवा			
v)	वित्तीय परामर्श			
vi)	स्टॉक-ब्रोकिंग			
vii)	परिसंपत्ति प्रबंध			
viii)	उद्यम पूंजी			
ix)	अभिरक्षण सेवा			
x)	फैक्टरिंग			
xi)	क्रेडिट निर्धारक एजेंसियां			
xii)	लीजिंग तथा वित्त			
xiii)	आवासीय वित्त			
xiv)	फॉरेक्स ब्रोकिंग			
xv)	क्रेडिट कार्ड कारोबार			
xvi)	मुद्रा परिवर्तक कारोबार			
xvii)	माइक्रो क्रेडिट			
xviii)	ग्रामीण ऋण			

				निवेश है उन्हें भी अन्य एनबीएफसी कार्यकलापों के लिए कंपनियां स्थापित करने की भी अनुमति होगी बशर्ते कि कंपनियां भी न्यूनतम पूंजी अंतर्वाह की शर्तों का अनुपालन करें। ड) भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों का अनुपालन के अधीन।
28.				
(क)	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र रिफायनिंग (निजी क्षेत्र)	49% तक सरकारी क्षेत्र की कंपनियों के मामले में 100% तक निजी क्षेत्र की कंपनियों के मामले में	एफआईपीबी - सरकारी क्षेत्र की कंपनियों के मामले में स्वतः अनुमोदित मार्ग - निजी क्षेत्र की कंपनियों के मामले में	तेल बाजार सेक्टर में मौजूदा सेक्टरल नीति और बिना विनिवेश अथवा सरकारी क्षेत्र की मौजूदा आंतरिक इक्विटी डाल्यूशन के बिना (www.petroileum.nic.in)
(ख)	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में मार्केटिंग के लिए इकाइया बनाने / उनमें निवेश/ वित्त पोषण, बुनियादी सुविधाएं लगाने सहित रिफायनिंग और मार्केट स्टडी के अतिरिक्त	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी सेक्टरल विनियम के अधीन। (www.petroileum.nic.in)
29.	प्रिंट मीडिया			
(क)	समाचार और सामयिक विषयों पर समाचारपत्र और आवधिक प्रकाशित करने वाली कंपनिया	26%	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित दिशा-निर्देशों के अनुसार (www.mib.nic.in)
(ख)	वैज्ञानिक पत्रिकाएं / विशेष विषय पर जर्नल / आवधिक प्रकाशित करने वाली कंपनिया	100%	एफआईपीबी	सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अधिसूचित दिशा-निर्देशों के अनुसार (www.mib.nic.in)
30.	दूरसंचार			
क.	बेसिक और सेलूलर, यूनिफाइड एक्सेस सर्विसेज/ लंबी दूरी वाले इंटरनेशनल वी- सेट, पब्लिक मोबाइल रेडियो ट्रंकड सर्विसेज (पीएमआरटीएस), ग्लोबल पर्सनल कम्यूनिकेशन में सेवाओं में और अन्य उत्कृष्ट दूरसंचार सर्विसेज	74%(विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, विदेशी संस्थागत निवेश, भारतीय निवासी निवेश, एफसीसीबीएस, प्राधिकृत व्यापारी, जीडीआर, परिवर्तनीय अधिमान शेयर और	49% तक स्वतः अनुमोदित मार्ग से 49% से अधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के प्रस्ताव पर एफआईपीबी द्वारा	19 अप्रैल 2007 के प्रेस नोट 3(2007सिरीज) द्वारा अधिसूचित दिशा-निर्देशों के अनुसार।

		भारतीय प्रवर्तकों/विनिवेशक कंपनियों में पोर्टफोलियोविदेशी इक्विटी को शामिल करते हुए)		
ख.	आईएसपी के साथ गेटवे, रेडिओ पेजिंग और लंबाई में अथवा सिर से सिर तक बैंड चौड़ाई में	74%	49% तक स्वतः अनुमोदित मार्ग से 49% से अधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के प्रस्ताव पर एफआईपीबी द्वारा	यह सेवाएं दूरसंचार विभाग द्वारा अधिसूचित लाइसेंसिंग और सुरक्षा अपेक्षाओं के अधीन (www.dotindia.com)
ग.	क) गेटवे उपलब्ध न करानेवाले आईएसपी ख) डार्क फाइबर उपलब्ध करानेवाले इनफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स, डक्ट, खुला स्थान और टॉवर की दाहिनी ओर (आईपी श्रेणी -I) ग) इलेक्ट्रॉनिक मेल और वॉइस मेल	100%	49% तक स्वतः अनुमोदित मार्ग से 49% से अधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के प्रस्ताव पर एफआईपीबी द्वारा	यदि ये कंपनियां दुनिया के अन्य देशों में भी सूचीबद्ध हैं तो वे 5 वर्ष में अपने ईक्विटी के 26 % तक जनता के पक्ष में निवेश करेंगी । यह सेवाएं दूरसंचार विभाग द्वारा अधिसूचित लाइसेंसिंग और सुरक्षा अपेक्षाओं के भी अधीन (www.dotindia.com)
घ.	दूरसंचार उपकरणों का निर्माण	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग से	सेक्टरल अपेक्षाओं के भी अधीन (www.dotindia.com)
31.	व्यापार			
क	कैश & कैरी थोक व्यापार	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग से	10 फरवरी 2006 के प्रेस नोट 3(2006 सिरीज) द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में ट्रेडिंग के लिए अधिसूचित औद्योगिक नीति और प्रवर्तन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अधीन I:
ख	निर्यात के लिए ट्रेडिंग	100%	स्वतः अनुमोदित मार्ग से	--
ग	लघु उद्योग क्षेत्र के स्रोत से वस्तुओं का व्यापार	100%	एफआईपीबी द्वारा	--
घ	उन वस्तुओं की टेस्ट-मार्केटिंग जिनके उत्पादन के लिए कंपनी ने अनुमोदन प्राप्त किया है ।	100%	एफआईपीबी द्वारा	ऐसी वस्तुओं की टेस्ट मार्केटिंग जिसके लिए कंपनी को उत्पाद की अनुमति है बशर्ते कि ऐसी टेस्ट मार्केट सुविधा दो साल के अवधि की हो और उत्पादन सुविधाओं में निवेश का प्रारंभ टेस्ट मार्केटिंग के साथ किया हो

2.	विदेशी सहयोगी के बारे नाम पता देश	
3	निधी प्राप्त करने की तारीख	
4	राशि	<div>विदेशी मुद्रा में</div> <div>रुपयों में</div>

5	उल्लेख करें कि क्या विदेशी प्रत्यक्ष निवेश स्वतः अनुमोदित मार्ग से अथवा सरकारी अनुमोदन के मार्ग के तहत अनुमत है ? यदि सरकारी अनुमोदन है तो विवरण दें (एफआयपीबी अनुमोदन की संदर्भ सं. तथा दिनांक)	स्वतः अनुमोदित मार्ग / सरकारी अनुमोदन मार्ग
6	प्राधिकृत व्यापारी का नाम जिसके द्वारा प्रेषण प्राप्त किया गया	
7	प्राधिकृत व्यापारी का पता	

शेयर / परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने हेतू उगाही गयी राशि की प्राप्ति के सबूत के तौर पे एफआयआर सी की प्रतिलिपि संलग्न की है

इनवेस्टी कंपनी का प्राधिकृत हस्ताक्षरी

प्राधिकृत व्यापारी का प्राधिकृत हस्ताक्षरी

मुहर

मुहर

केवल रिज़र्व बैंक के उपयोग के लिये :

विप्रेषण प्राप्त करने हेतु अनन्य पहचान संख्या :

[illegible]

अनिवासी निवेशको के संदर्भ में ग्राहक को जानने (के वाइ सी) का फार्म

निवेशक / प्रेषक का पंजीकृत नाम (यदि निवेशक एक व्यक्ति है तो व्यक्ति का नाम)	
पंजीकृत संख्या (यादे प्रेषक व्यक्ति है तो उसका अनन्य पहचान संख्या)	
पंजीकृत पता (यदि प्रेषक व्यक्ति है तो उसका स्थायी पता)	
प्रेषक के बैंक का नाम	
प्रेषक का बैंक खाता संख्या	
प्रेषक के साथ बैंकिंग रिश्तों की समय अवधि	

पासपोर्ट संख्या, सामाजिक सुरक्षा सं., या को अन्य अनन्य सं. जो कि प्रेषक की सदाशयी को प्रेषक के देश में प्रमाणित करता है ।

अनिवासीय निवेशक के समुद्रप्रारिय प्रेषक बैंक द्वारा दी गयी सारी जानकारी सही और यथार्थ है इसकी हम पुष्टी करते है ।

दिनांक :

स्थान :

मुहर :

(प्रेषण प्राप्त करनेवाली प्राधिकृत
व्यापारी बैंक के प्राधिकृत अधिकारी
के हस्ताक्षर)

एफसी-जीपीआर

भाग-अ

(जब कभी कंपनी विदेशी निवेशकों को शेयर/परिवर्तनीय डिबेंचर्स जारी करती है तो उसे प्राधिकृत व्यापारी श्रेणी I बैंक के माध्यम से इस फार्म के साथ संलग्न बचनपत्र की मद संख्या 4 में उल्लिखित दस्तावेजों सहित रिजर्व बैंक के उस क्षेत्रीय कार्यालय के पास, जिसके क्षेत्राधिकार में घोषणा करनेवाली कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है, भरा जाना है।)

आयकर विभाग द्वारा आबंटित
(PAN) पैन सं.

[illegible]

शेयर/परिवर्तनीय डिबेंचरर्स जारी करने की तारीख :

[illegible]

सं.	ब्योरे	(स्पष्ट अक्षरों में)
1.	नाम	
	पता	
	राज्य	
	रजिस्ट्रार द्वारा कंपनी को आबंटित पंजीकरण संख्या	
	मौजूदा कंपनी अथवा नई कंपनी है (जो लागू न हो उसे काट दें)	मौजूदा कंपनी / नई कंपनी है
	मौजूदा कंपनी के मामले में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आबंटित पंजीकरण सं., अगर कोई हो तो, दें।	
	टेलीफोन.	
	फैक्स	
	ई-मेल	

4.	जारी किए गए शेयरों/ परिवर्तनीय डिबेंचरों के ब्योरे					
क	निर्गम का स्वरूप और तारीख					
		निर्गम का स्वरूप	निर्गम की तारीख	शेयरों/ परिवर्तनीय डिबेंचरों की संख्या		
	01	प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव/ एफपीओ				
	02	अधिमान आबंटन/निजी स्थान नियोजन				
	03	अधिकार				
	04	बोनस				
	05	बाह्य वाणिज्यिक उधार का परिवर्तन				
	06	रॉयल्टी का परिवर्तन (एकमुश्त भुगतान सहित)				
	07	विशेष सहायता प्राप्त (sez) इकाइयों द्वारा माल के आयात पर परिवर्तन				
	08	कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजनाएं				
	09	शेयर स्वेप				
	10	अन्य (कृपया उल्लेख करें)				
		कुल				
ख	जारी प्रतिभूतियों का स्वरूप					
	प्रतिभूति का स्वरूप	संख्या	परिपक्वता	अंकित मूल्य	निर्गम मूल्य प्रति शेयर	आवक राशि*
01	ईक्विटी					
02	अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर					
03	अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय अधिमान शेयर					
04	अन्य(कृपया स्पष्ट उल्लेख करें)					
	कुल					

i) निर्गम मूल्य अंकित मूल्य से अधिक हो तो प्राप्त प्रीमियम का ब्रेकअप दें।

ii)* अगर निर्गम बाह्य वाणिज्यिक उधार अथवा रॉयल्टी के परिवर्तन पर है तो परिवर्तन की तारीख को बकाया राशि को प्रमाणित करते हुए सनदी लेखाकार का प्रमाण पत्र।

ग	प्रीमियम का ब्रेक-अप	राशि
	कंट्रोल प्रीमियम	
	गैर-प्रतिस्पर्धा शुल्क	
	अन्य*	
	कुल	

*कृपया स्वरूप लिखें

घ	निम्नलिखित के माध्यम से अनिवारियों को शेयर जारी करने से कुल आवक (रुपये में) (प्रीमियम, यदि कोई हो, सहित)
	(i) प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से प्रेषण

	(ii) बैंक के पास अनिवासी (बाह्य)/ विदेशी मुद्रा अनिवासी खाते में नामे (iii) अन्य समय-समय पर यथासंशोधित मई 3, 2000 की अधिसूचना सं.फेमा.20/2000-आरबी के पैरा 9(1)अ (i) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक को उपर्युक्त (i) रिपोर्ट करने की तारीख	
ड	जारी किए गए शेयरों का उचित मूल्य का प्रकटीकरण	
	हम सूचीबद्ध कंपनी हैं और निर्गम की तारीख को एक शेयर का बाजार मूल्य है*	
	हम असूचीबद्ध कंपनी हैं और एक शेयर का उचित मूल्य है*	

** शेयर के निर्गम से पहले

*(कृपया, जैसा लागू हो, दर्शायें)

5.	निर्गम के पश्चात शेयर धारिता का स्वरूप						
	निवेशक वर्ग	ईक्विटी			अधिमान शेयर/ परिवर्तनीय डिबेंचर		
		शेयरों की सं.	राशि (अंकित मूल्य) रु.	%	शेयरों की सं.	राशि (अंकित मूल्य) रु.	%
क)	अनिवासी						
	01 व्यक्ति						
	02 विदेशी कंपनियां						
	03 विदेशी संस्थागत निवेशक						
	04 विदेशी जोखिम पूंजी निवेश						
	05 अनिवासी भारतीय/ भारतीय मूल के व्यक्ति						
	06 प्राइवेट इक्विटी फंड						
	07 पेंशन भविष्य निधि						
	08 सॉवरीन वेल्थ फंड 6						
	09 पार्टनरशिप/प्रोपाइटरशिप फर्म						
	10 वित्तीय संस्था						
	11 अनिवासी भारतीय/भारतीय मूल के अन्य व्यक्ति						
	12 अन्य (कृपया स्पष्ट करें)						
	उप-कुल						
ख)	निवासी						
	कुल						

4 और 6 एसडब्ल्यूएफ एक सरकारी निवेश माध्यम है जिसका विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों द्वारा निधीयन किया जाता है और जो विदेशी परिसंपत्तियों का प्रबंधन करता है, जैसे की स्टाक्स, संपत्ति अथवा अन्य वित्तिय लिखते, जो मौद्रिक प्राधिकरणों के अधिकारिक प्रारक्षित निधियों से अलग होते हैं

**भारतीय कंपनी के प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा भरी जानेवाली घोषणा
(जो लागू न हो, उसे काटकर प्रमाणित कर दें)**

हम एतद्वारा घोषित करते हैं कि -

1. हम समय-समय पर यथासंशोधित मई 3, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा.20/2000-आरबी में यथानिर्दिष्ट विदेशी प्रत्यक्ष निवेश योजना के तहत यथानिर्धारित शेयरों की निर्गम की प्रक्रिया का अनुपालन करते हैं।
2. निवेश भारतीय रिजर्व बैंक के स्वतः अनुमोदित मार्ग के तहत अनुमत सेक्टरल कैप / सांविधिक सीमा के अंदर है तथा हम स्वतः अनुमोदित मार्ग के तहत निवेशों के लिए निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करते हैं अर्थात् (जो लागू न हो उसे काट दें)

क) विदेशी प्रतिष्ठान (व्यक्तियों से इतर) जिसे हमने शेयर जारी किया है, का भारत में उसी क्षेत्र में मौजूदा संयुक्त उद्यम अथवा तकनीकी अंतरण अथवा ट्रेड मार्क करार है (जनवरी 12, 2005 के 2005 सिरिज के प्रेस नोट 1 में अनुबद्ध निर्धारित शर्तों का अनुपालन किया गया है)।

अथवा

ख) विदेशी प्रतिष्ठान (व्यक्तियों से इतर) जिसे हमने शेयर जारी किया है का भारत में उसी क्षेत्र में कोई मौजूदा संयुक्त उद्यम अथवा तकनीकी अंतरण अथवा ट्रेड मार्क करार नहीं है।

ग) हम लघु उद्योग इकाई नहीं हैं हैं।

अथवा

हम लघु उद्योग इकाई हैं तथा चुकता पूंजी की 25 प्रतिशत की निवेश सीमा का अनुसरण किया है/ अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त किए गए हैं।

घ) अधिकार आधार पर अनिवासियों को मई 3, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा.20/2000-आरबी के विनियम 6 के प्रवधानों के अनुरूप शेयर जारी किए गए हैं।

अथवा

ड) जारी किए गए शेयर बोनस शेयर हैं।

अथवा

च) शेयर भारत में किसी कोर्ट द्वारा विधिवत अनुमोदित एक अथवा उससे अधिक भारतीय कंपनियों के विलयन और समामेलन की योजना अथवा विलयन न करके अथवा अन्य प्रकार से पुनर्निर्माण की योजना के तहत जारी किए गए हैं।

अथवा

(छ) शेयर कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना के तहत जारी किए गए हैं तथा इस निर्गम से संबंधित शर्तें पूरी की गयी हैं।

3. शेयर ----- के एसआईए /एफआईपीबी अनुमोदन सख्या ----- के अनुसार जारी किए गए हैं (जो लागू न हो उसे काट के हस्ताक्षर करें)
4. हम इसके साथ 3 मई 2000 की अधिसूचना सं. फेमा.20/2000-आरबी की अनुसूची -1 के पैराग्राफ 9(1) के अनुपालन में निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करते हैं :-
- (i) कंपनी के सचिव द्वारा निम्नलिखित तथ्यों को प्रमाणित करने वाला एक प्रमाणपत्र ;
- (क) कंपनी अधिनियम, 1956 की सभी अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है ।
- (ख) सरकारी अनुमोदन की सभी शर्तों , यदि कोई हों, का अनुपालन किया गया है ।
- (ग) इन विनियमों के तहत कंपनी शेयर जारी करने के लिए पात्र है ।
- (घ) 3 मई 2000 की अधिसूचना सं. फेमा.20/2000-आरबी की अनुसूची -1 के पैराग्राफ 8 की अपेक्षानुसार शेयर जारी करने हेतु वसूल की गई राशि की प्राप्ति के सबूत के तौर पर कंपनी के पास भारत में सभी प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा जारी मूल प्रमाणपत्र हैं ।
- (ii) सांविधिक/ सनदी लेखाकार से यह इंगित करते हुए एक प्रमाणपत्र कि भारत से बाहर रहने वाले व्यक्ति को जारी शेयरों की कीमत कैसे भेजी जायेगी ।
5. शेयर / परिवर्तनीय बॉन्ड्स आदि जारी करने के प्राप्त सभी विप्रेषणों की राशि की वसूली के लिए (ऊपर दिए गये ब्योरों के अनुसार) ,

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आबंटित यू.आई.नंबर

आर																			
----	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

(आवेदक का हस्ताक्षर)* : _____

(नाम स्पष्ट अक्षरों में) :

(हस्ताक्षरी का पदनाम) :

स्थान :

दिनांक:

(*कंपनी के प्रबंध निदेश/निदेशक/सचिव द्वारा हस्ताक्षर किए जाएं)

निवेश स्वीकार करनेवाली भारतीय कंपनी के कंपनी सचिव द्वारा भरा जानेवाला प्रमाणपत्र : 5

(मई 3, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 20/2000-आरबी की अनुसूची 1 के पैरा 9(1)(आ)(i) के अनुसार)

उपर्युक्त ब्योरों के संबंध में हम निम्नानुसार प्रमाणित करते हैं :

1. कंपनी अधिनियम, 1956 के सभी अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है।
2. सरकारी अनुमोदन के शर्तों, यदि कोई हों, का अनुपालन किया गया है।
3. इन विनियमों के अधीन शेयर जारी करने के लिए कंपनी पात्र है।
4. कंपनी के पास सभी मूल प्रमाणपत्र मौजूद हैं जो भारत में श्रेणी-I प्राधिकृत व्यापारी बैंकों द्वारा जारी किए गए हैं, और जो मई 3, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 20/2000-आरबी की अनुसूची 1 के पैराग्राफ 8 के अनुरूप राशि की प्राप्ति का सबूत है।

(कंपनी सचिव का नाम और हस्ताक्षर)
(मुहर)**केवल भारतीय रिजर्व बैंक के प्रयोग के लिए**

एफसी-जीपीआर का यूएनआई नंबर

जी																			
----	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

5. यदि कंपनी के पास पूर्ण कालिक कंपनी सचिव नहीं हो तो, वे व्यवसायी कंपनी से प्राप्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाय ।

(दिनांक 30 मई 2008 के एपी(डीआईआर सिरीज) परिपत्र सं. 44 के अनुबंध -I का भाग- आ)

एफसी-जीपीआर**भाग-आ**

- i) फार्म एफसी-जीपीआर का यह भाग निदेशक, भुगतान संतुलन सांख्यिकीय प्रभाग, सांख्यिकीय विश्लेषण और कंप्यूटर सेवा विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, सी-8, तीसरी मंजिल, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400051 को प्रस्तुत किया जाए (टेलीफोन 26571265, 26572513) फैक्स नंबर 26570848) ई-मेल survey@rbi.org.in प्रस्तुत किया जाना है।

यह एक वार्षिक विवरणी है जो कि प्रत्येक वर्ष 31 जुलाई को प्रत्यक्ष/पोर्टफोलियो/ पुनः निवेशित अजनों/ अन्य के जरिये भारतीय कंपनियों में पिछले वर्षों के दौरान (अर्थात् भाग आ में 31 जुलाई 2007 तक दी गयी जानकारी पिछले वर्ष 31 मार्च 2007 तक किये गये निवेशों से संबंधित होगी) किये गये निवेशों से संबंधित होगी । रिपोर्ट किये जाने वाले ब्योरों में तुलनपत्र की तारीख को बंकाया सभी विदेशी निवेश शामिल होंगे । कंपनी के प्रत्यक्ष/ पोर्टफोलियो दोनों ही समुद्रपारीय निवेशों के ब्योरे अलग से दर्शाये जायें । कृपया संकलन में मार्च के अंत की कीमतें/विनिमय दरें ही इस्तेमाल की जायें ।

6.0 इक्विटी पूंजी				
6.1 अन्य पूंजी				
6.2 वर्ष के दौरान विनिवेश				
6.3 वर्ष के दौरान रोके गए अर्जन +				
7. पोर्टफोलिया और अन्य निवेश				
[उपर्युक्त विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के तहत उल्लिखित से इतर बकाया निवेशों को यहां प्रस्तुत करें]				
राशि लाख रुपये में				
	भारत में विदेशी देयताएं*		भारत से बाहर विदेशी परिसंपत्तियां##	
	पिछले वर्ष मार्च के अंत में बकाया	चालू वर्ष मार्च के अंत में बकाया	पिछले वर्ष मार्च के अंत में बकाया	चालू वर्ष मार्च के अंत में बकाया
7.0 इक्विटी प्रतिभूतियां				
7.1 ऋण प्रतिभूतियां				
7.1.1 बॉण्ड और नोट				
7.1.2 मुद्रा बाजार लिखत				
7.2 वर्ष के दौरान विनिवेश				
8. वित्तीय व्युत्पन्न (नोशनल वैल्यू)				
9. अन्य निवेश				
9.1 व्यापार ऋण				
9.1.1 अल्पावधि				
9.1.2 दीर्घावधि				
9.2 ऋण	नीचे नोट [@] देखें			
9.3 अन्य				
9.3.1 अल्पावधि				
9.3.2 दीर्घावधि				

+ प्रतिधारित अर्जनों (अवितरित लाभ) के लिये विदेशी देयताओं के तहत कृपया अनिवासी निवेशकों (प्रत्यक्ष निवेशकों) कि शेयर धारिता के अनुसार आनुपातिक राशि प्रस्तुत करें । इसी प्रकार, भारत से बाहर की विदेशी परिसंपत्तियों के तहत, आपकी कंपनी के प्रतिधारित अर्जन अनिवासी उद्यम में साधारण शेयरों की आपकी शेयर धारिता के अनुपात में होंगे ।

@ जिस वित्तीय वर्ष के लिये विवरणी प्रस्तुत की जा रही है, उस वर्ष दौरान आपकी कंपनी द्वारा भर्ती किए गए व्यक्तियों की संख्या बतायें । "प्रत्यक्ष" के तहत आपकी कंपनी की यंजी पर के व्यक्तियों की संख्या बतायें, जब कि "अप्रत्यक्ष" के तहत वर्ष के दौरान आपकी कंपनी द्वारा अन्यथा कार्यपर लगाये गये व्यक्तियों की संख्या बतायें ।

10. मार्च अंत में शेयरधारिता पैटर्न								
निवेशक श्रेणी/निवेशक संस्था का स्वरूप			ईक्विटी			अनिवार्यतया परिवर्तनीय अधिमान शेयर/ डिबेंचर		
			शेयरों की सं.	राशि (अंकित मूल्य) रु.	%	शेयरों की सं.	राशि (अंकित मूल्य) रु.	%
क)	अनिवासी							
	01	व्यक्ति						
	02	कंपनियां						
	03	विदेशी संस्थागत निवेशक						
	04	विदेशी जोखिम पूंजी निवेश						
	05	विदेशी ट्रस्ट						
	06	प्राइवेट-ईक्विटी फंड						
	07	पेंशन/ भविष्य निधि						
	08	एसडब्ल्यू एफ						
	09	साझेदारी/ प्रोप्राइटरशिप फर्म						
	10	वित्तीय संस्थाएं						
	11	अनिवासी भारतीय/ भारतीय मूल के व्यक्ति						
	12.	अन्य (कृपया स्पष्ट करें)						
	उप-कुल							
ख)	कुल निवासी							
11.	31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान नियोजित व्यक्ति							
	डाट्यक्ष रूप से							
	अप्रत्यक्ष रूप से							
	कुल							

(आवेदक का हस्ताक्षर)* : _____

(नाम स्पष्ट अक्षरों में) :

(हस्ताक्षरी का पदनाम) :

स्थान :

दिनांक:

(*कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएं)

कृपया अनिवासी निवेशकों (प्रत्यक्ष निवेशकों) के, जिसकी रिपोर्टिंग की तारीख को आपकी कंपनी के सामान्य शेयरों के 10 प्रतिशत या उससे अधिक की धारिता है, शेष निवेशों को प्रस्तुत करें।

कृपया देश के बाहर के अपने कुल निवेश प्रस्तुत करें जिसमें रिपोर्टिंग की तारीख को आपकी कंपनी अनिवासी भारतीय उद्यम के 10 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के सामान्य शेयर की धारक है।

* अनिवासी प्रत्यक्ष निवेशक और निवेशिती/ रिपोर्टिंग कंपनी के बीच अन्य पूंजीगत लेनदेनों में निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) समुद्रपारीय निवेशकों से अल्पावधि उधार, (ii) समुद्रपारीय निवेशकों से दीर्घावधि उधार, (iii) व्यापार ऋण, (iv) आपूर्तिकर्ता ऋण, (v) वित्तीय लीजिंग, (vi) नियंत्रण प्रीमियम, (vii) शेयरों को शामिल नहीं करनेवाले मामलों में गैर-स्पर्धा शुल्क, (viii) तकनीकी अंतरण, संयंत्र और मशीनरी, गुडविल, कारोबार विकास और इसी प्रकार के प्रयोजनों के एवज में शेयरों का गैर-नकदी अधिग्रहण और (ix) वर्ष के दौरान अचल संपत्ति में किए गए निवेश।

@ नोट : चूंकि आपकी कंपनी द्वारा लिए गए ऋण के ब्योरे बाह्य वाणिज्यिक उधार विवरणियों में भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा विभाग द्वारा अलग से प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं, आपकी कंपनी द्वारा लिए गए बाह्य ऋणों के ब्योरों को भरने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी भारत के बाहर पूर्ण स्वामित्ववाली सहायक संस्थाएं/ संयुक्त उद्यम को आपकी कंपनी द्वारा दिए गए बाह्य ऋणों की 'भारत के बाहर विदेशी परिसंपत्तियां' के अंतर्गत रिपोर्टिंग की जाए।

अनुबंध-9

फार्म एफसी-टीआरएस	
निवासी से अनिवासी को/अनिवासी से निवासी को बिक्री द्वारा शेयरों के अंतरण के बारे में घोषणा	
(चार प्रतियों में प्राधिकृत व्यापारी शाखा को प्रस्तुत करें)	
निम्नलिखित दस्तावेज संलग्नक किए गए हैं (संलग्नक के पैरा 5 देखें)	
भारत में निवासी व्यक्ति द्वारा शेयरों की बिक्री के लिए	
(i)	विक्रेता और क्रेता अथवा उनके विधिवत् नियुक्त एजेंट द्वारा हस्ताक्षरित सहमति पत्र तथा बादवाले मामले में पॉवर ऑफ एटर्नी दस्तावेज
(ii)	भारत के बाहर निवासी व्यक्ति द्वारा शेयरों के अधिग्रहण के बाद निवेशिती कंपनी के शेयरधारिता का स्वरूप
(iii)	सनदी लेखाकार द्वारा शेयरों का उचित मूल्य दर्शाते हुए प्रमाणपत्र।
(iv)	अगर बिक्री स्टॉक एक्सचेंज में किया हो तो ब्रोकर के नोट की प्रति।
(v)	क्रेता से इस बात का आश्वासन पत्र कि वह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति के अधीन शेयर/ परिवर्तनीय डिबेंचर अधिगृहीत करने का पात्र है और वर्तमान सेक्टरल सीमाओं और मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों का पालन किया गया है।
(vi)	विदेशी संस्थागत निवेशक/ उप खाते से इस बात का आश्वासन पत्र कि सेबी द्वारा निर्धारित एकल विदेशी संस्थागत निवेशक/ उप खाता सीमा का उल्लंघन नहीं किया गया है।
भारत के बाहर निवासी व्यक्ति द्वारा शेयरों की बिक्री से संबंधित अतिरिक्त दस्तावेज	
(vii)	अगर विक्रेता अनिवासी भारतीय/ समुद्रपारीय निगमित निकाय हो तो प्रत्यावर्तनीय/ गैर-प्रत्यावर्तनीय आधार पर उनके द्वारा धारित शेयरों के सबूत के तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन की प्रतियां
(viii)	आयकर प्राधिकारी/ सनदी लेखाकार से आपत्ति नहीं/ कर देय नहीं प्रमाणपत्र।
1	कंपनी का नाम
	पता (ई-मेल, टेलीफोन सं., फैक्स सं. सहित)
	कार्यकलाप

	एनआइसी कूट सं.				
2	क्या स्वतः अनुमोदित मार्ग के तहत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अनुमत है ?				
	विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति के तहत क्षेत्रीय सीमा				
3	लेनदेन का स्वरूप				
	निवासी से अनिवासी को अंतरण				
	अनिवासी से निवासी को अंतरण				
4	क्रेता का नाम				
	श्रेणी (कृपया उपयुक्त श्रेणी पर टिक करें)	व्यक्ति	कंपनी	विदेशी संस्थागत निवेशक	अन्य
	कंपनी/विदेशी संस्थागत निवेशक, आदि के मामले में कृपया कंपनी का गठन अर्थात् लिमिटेड कंपनी, पंजीकृत साझेदारी आदि, सूचित करें				
	निगमन की तारीख और स्थान				
	क्रेता का पता (ई-मेल, टेलीफोन सं., फैक्स सं. सहित)				
5	विक्रेता का नाम				
	श्रेणी (कृपया उपयुक्त श्रेणी पर टिक करें)	व्यक्ति	कंपनी	विदेशी संस्थागत निवेशक	अन्य (कृपया उल्लेख करें)
	कंपनी/विदेशी संस्थागत निवेशक, आदि के मामले में कृपया कंपनी का गठन अर्थात् लिमिटेड कंपनी, पंजीकृत साझेदारी आदि, सूचित करें				
	निगमन की तारीख और स्थान				
	क्रेता का पता (ई-मेल, टेलीफोन सं., फैक्स सं. सहित)				

6	पिछले रिजर्व बैंक/ विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड अनुमोदन के ब्योरे				
7	अंतरण किए जानेवाले शेयरों/परिवर्तनीय डिबेंचरों के ब्योरे				
	लेनदेन की तारीख	शेयरों की संख्या	अंकित मूल्य	अंतरण के लिए समझौता किए गए मूल्य**	प्रतिफल राशि

8	कंपनी में विदेशी निवेश				
		शेयरों की संख्या	प्रतिशत		
	अंतरण से पहले				
	अंतरण के बाद				
9	क्या शेयर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है ?				
	अगर हां तो स्टॉक एक्सचेंज का नाम				
	स्टॉक एक्सचेंज में कोट की गई कीमत				
	क्या शेयर असूचीबद्ध हैं ?				
	मूल्य निर्धारण मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार कीमत*				
	सनदी लेखाकार के मूल्य निर्धारण रिपोर्ट के अनुसार कीमत				
*/**	सनदी लेखाकार का प्रमाणपत्र जोड़ा जाए				

अंतरणकर्ता/अंतरिती द्वारा घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषित करता हूं/ करते हैं कि :

- ऊपर दिए गए ब्योरे मेरे/ हमारी जानकारी तथा विश्वास में सत्य और सही है
- मैं/हम फेरा/फेमा विनियमावली के तहत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति के अनुसार प्रत्यावर्तनीय/अप्रत्यावर्तनीय आधार पर शेयरों को धारित करता था/ करते थे
- मैं/हम विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति के तहत कंपनी के शेयर के अधिग्रहण के लिए पात्र हूं/हैं। यह वित्तीय सेवा क्षेत्र अथवा ऐसा क्षेत्र जहां सामान्य अनुमति उपलब्ध नहीं है, में कार्यरत कंपनी के शेयरों से संबंधित अंतरण नहीं है।
- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति और मूल्य निर्धारण मार्गदर्शी सिद्धांतों के अधीन सेक्टरल सीमाओं का पालन किया गया है।

दिनांक :
हस्ताक्षर

घोषणाकर्ता अथवा उसके विधिवत
प्राधिकृत एजेंट का

टिप्पणी

निवासी से अनिवासी को शेयरों के अंतरण के संबंध में घोषणा अनिवासी क्रेता द्वारा हस्ताक्षरित हो

तथा

अनिवासी से निवासी को शेयरों के अंतरण के संबंध में घोषणा अनिवासी विक्रेता द्वारा हस्ताक्षरित हो

प्राधिकृत व्यापारी शाखा का प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन सभी तरह से पूर्ण है।

लेनदेन के लिए प्राप्ति/ भुगतान फेमा विनियमावली/ रिजर्व बैंक मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार है।

हस्ताक्षर

अधिकारी का नाम और पदनाम

दिनांक :

प्राधिकृत व्यापारी

शाखा का नाम

प्राधिकृत व्यापारी कूट

जीडीआर/एडीआर के निर्गम का प्रबंध करनेवाली भारतीय कंपनी द्वारा फाइल की जानेवाली विवरणी

[फार्म डी आर अनुसूची 1 का पैराग्राफ 4(2) देखें]

सूचना : इस फार्म को पूर्ण किया जाए तथा भारतीय रिजर्व बैंक, विदेशी निवेश प्रभाग, केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई को प्रस्तुत किया जाए।

1.	कंपनी का नाम	
2.	पंजीकृत कार्यालय का पता	
3.	पत्राचार के लिए पता	
4.	वर्तमान कारोबार (उस कार्यकलाप का एनआइसी कूट दें जिसमें कंपनी मुख्य रूप से कार्यरत है)	
5.	जीडीआर/एडीआर उगाहने के प्रयोजन के ब्योरे। यदि निधियां समुद्रपारीय निवेश के लिए उपयोग की गई हों, तो उसके ब्योरे	
6.	विदेश के डिपॉजिटरी का नाम और पता	
7.	अग्रणी/ प्रबंधक निवेश/ मर्चेन्ट बैंकर का नाम और पता	
8.	निर्गम के उप-प्रबंधकों के नाम और पते	
9.	भारतीय अभिरक्षकों के नाम और पते	
10.	विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड के अनुमोदन के ब्योरे (अगर जीडीआर स्वतः अनुमोदित मार्ग के तहत जारी किए जाते हैं तो संबद्ध एनआइसी कूट कोट करें)	
11.	क्या विदेशी निवेश के लिए कोई समग्र क्षेत्रीय सीमा लागू है? अगर हां, तो कृपया ब्योरे दें	

12.	ईक्विटी पूंजी के ब्योरे	निर्गम से पहले	निर्गम के बाद
	क) प्राधिकृत पूंजी		
	ख) निर्गमित तथा प्रदत्त पूंजी		
	i) भारत में निवासी व्यक्तियों द्वारा धारित		
	ii) विदेशी संस्थागत निवेशकों/ अनिवासी भारतीयों/ भारतीय मूल के व्यक्तियों/ समुद्रपारीय निर्गमित निकायों से इतर विदेशी निवेशकों द्वारा धारित (प्रदत्त पूंजी के 10 प्रतिशत से अधिक धारित करनेवाले विदेशी निवेशकों की सूची तथा उनमें प्रत्येक द्वारा धारित शेयरों की संख्या प्रस्तुत किया जाए)		
	iii) अनिवासी भारतीयों/ भारतीय मूल के व्यक्तियों/ विदेशी कंपनी निकायों द्वारा धारित		
	iv) विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा धारित		
	ग) कुल प्रदत्त पूंजी में अनिवासियों द्वारा धारित		
	कुल ईक्विटी का प्रतिशत		
13.	क्या निर्गम निजी व्यवस्था आधार पर था ? अगर हां, तो निवेशकों तथा प्रत्येक को जारी एडीआर/ जीडीआर के ब्योरे दें		
14.	जारी जीडीआर/एडीआर की संख्या		
15.	जीडीआर/एडीआर पर अंडरलाइंग शेयरों का अनुपात		
16.	निर्गम से संबंधित खर्चे		
	(क) मर्चेन्ट बैंकर्स/अग्रणी प्रबंधक को अदा की गई/ देय शुल्क		
	(i) राशि (अमरीकी डॉलर, आदि में)		
	(ii) कुल निर्गम के प्रतिशत के तौर पर राशि		
	(ख) अन्य खर्चे		
17.	क्या निधियां विदेश में रखी गई हैं ? अगर हां, तो बैंक का नाम और पता		
18.	सूचीबद्ध करने की व्यवस्था के ब्योरे		
	स्टॉक एक्सचेंज का नाम		
	ट्रेडिंग शुरू करने की तारीख		
19.	एडीआर/ जीडीआर निर्गम आरंभ करने की तारीख		
20.	उगाही गई राशि (अमरीकी डॉलर में)		
21.	प्रत्यावर्तित राशि (अमरीकी डॉलर में)		
प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन किया गया है।			
ह./- सनदी लेखाकार		ह./- कंपनी के प्राधिकृत हस्ताक्षरी	

अनुबंध - 12

तिमाही विवरणी		
[अनुसूची 1 का पैराग्राफ 4(3) देखें] फार्म डीआर तिमाही		
(भारतीय रिजर्व बैंक, विदेशी निवेश प्रभाग, केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई को प्रस्तुत किया जाए)		
1.	कंपनी का नाम	
2.	पता	
3.	जीडीआर/एडीआर निर्गम प्रारंभ करने की तारीख	
4.	जारी किए गए जीडीआर/एडीआर की कुल सं.	
5.	उगाही गई कुल राशि	
6.	तिमाही के अंत तक अर्जित कुल ब्याज	
7.	निर्गम के खर्च और कमीशन आदि	
8.	प्रत्यावर्तित राशि	
9.	विदेश में रखी गई शेष - ब्योरे	
	(i) बैंक जमा राशियां	
	(ii) खजाना बिल	
	(iii) अन्य (कृपया उल्लेख करें)	
10.	अब तक बकाया जीडीआर की संख्या	
11.	तिमाही के अंत में कंपनी के शेयर की कीमत	
12.	तिमाही के अंत में समुद्रपारीय स्टॉक एक्सचेंज में कोट की गई जीडीआर की कीमत	
प्रमाणित किया जाता है कि एडीआर/जीडीआर द्वारा उगाही गई निधियों को स्टॉक बाजार अथवा भूमि भवन में निवेश नहीं किया गया है।		
ह./- सनदी लेखाकार		ह./- कंपनी के प्राधिकृत हस्ताक्षरी

RESERVE BANK OF INDIA**(Foreign Exchange Department)****(CENTRAL OFFICE)****NOTIFICATION****Mumbai, the 22nd August, 2008****Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Security by a Person Resident Outside India) (Second Amendment) Regulations, 2008**

G.S.R. 896(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (3) of Section 6 and Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999), the Reserve Bank of India hereby makes the following amendments in the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Security by a Person Resident Outside India) Regulations, 2000 (Notification No. FEMA 20/2000-RB dated 3rd May, 2000), namely:—

1. Short Title & Commencement:-

- (i) These Regulations may be called the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Security by a Person Resident Outside India) (**Second Amendment**) Regulations, 2008.
- (ii) Save as otherwise provided in these Regulations, the provisions of these Regulations shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. Amendment of Regulation 2 - In the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Security by a Person Resident Outside India) Regulations 2000, (Notification No. FEMA 20/2000-RB dated 3rd May, 2000) (hereinafter referred to as 'the principal Regulations'), in Regulation 2,

(A) for clause (ii) , the following clause shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of May 2007, namely:-

"(ii) 'Capital' means equity shares, preference shares and convertible debentures

(B) after clause (iia), the following new clause shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 1st day of May 2007, namely :-

"(iib) "preference shares" mean compulsorily and mandatorily convertible preference shares."

(C) after clause (iib) as so inserted, the following new clause shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 8th day of June, 2007, namely :-

"(iic) "debenture" means compulsorily and mandatorily convertible debenture"

3. Amendment of Regulation 5

In the principal Regulations, in Regulation 5, for sub-regulation 6 the following new sub-regulation shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 31st day of December 2007, namely;

" 6. A registered Foreign Institutional Investor (FII) having valid approval under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 or under the Foreign Exchange Management Act, 1999 may trade in all exchange traded derivative contracts approved by RBI/SEBI subject to the limits and margin requirement prescribed by RBI/SEBI as well as the stipulations regarding collateral securities as directed by the Reserve Bank from time to time".

4. Amendment of Regulation 6B

In the principal Regulations, for Regulation 6B, the following shall be substituted, namely :-

" 6B . A company issuing rights shares or bonus shares in terms of these Regulations shall report to the Reserve Bank in form FC-GPR as stipulated in Paragraph 9 (1)(B) of Schedule 1 to these Regulations."

5. Amendment of Regulation 10

In the principal Regulations, in Regulation 10, in sub-Regulation A, after clause (b), before the Explanation, the following new clause shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from 10th day of February, 2006, namely:-

"(c) any security by way of sale, shall make an application to the Reserve Bank for its approval if,

- (i) the activity of the Indian company, whose securities are being transferred, falls outside the Automatic Route, and the approval of the FIPB has been obtained for the said transfer;
- (ii) the activity of the Indian company whose securities are being transferred, falls under the financial services sector;
- (iii) the transfer falls within the purview of the provisions of SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 1997; and
- (iv) the transfer is to take place at a price which falls outside the pricing guidelines specified by Reserve Bank, from time to time."

6. Amendment of Schedule 1

In the principal Regulations, in Schedule 1,

i) in paragraph 1,

(a) for sub-paragraph (2), the following shall be substituted, namely :-

"(2) If the person purchasing the shares under this Scheme proposes to be a collaborator or proposes to acquire the entire shareholding of a new Indian company, he should obtain prior permission of Central Government if he has, as on January 12, 2005, an existing joint venture or technology transfer/trademark agreement in the same field as that of such Indian company."

(b) after sub-paragraph (2), the following provisos shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 12th day of January 2005¹, namely:

" Provided that no prior permission of Central Government shall be required for investments to be made by Venture Capital Funds registered with SEBI; investments by multinational financial institutions; or where in the existing joint-venture investment by either of the parties is less than 3%; or where the existing joint venture/ collaboration is defunct or sick or for transfer of shares of an Indian company engaged in Information Technology sector or in the mining sector, if the existing joint venture or technology transfer/trade mark agreement of the person to whom the shares are to be transferred are also in the Information Technology sector or in the mining sector for same area/mineral".

ii) in paragraph 2, for sub-paragraph (1) the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 10th day of February 2006, namely:

"(1) An Indian company, not engaged in any activity/sector mentioned in Annex A to this schedule, may issue shares or convertible debentures to a person resident outside India, subject to the limits prescribed in Annex B to this schedule, in accordance with the Entry Routes specified therein and the provisions of Foreign Direct Investment Policy, as notified by the Ministry of Commerce & Industry, Government of India, from time to time.

Provided that the shares or convertible debentures are not being issued by the Indian company with a view to acquire existing shares of any Indian company.

Explanation: A company which proposes to embark on expansion programme to undertake activities or manufacture items included in

¹ This Regulation is given retrospective effect from 12th day of January, 2005, that is, from the date on which Press Note No. 1 (2005 Series) was issued by Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.

Annex B to this Schedule may issue shares or debentures out of fresh capital proposed to be issued by it for the purpose of financing expansion programme, up to the extent indicated in Annex B, subject to compliance with the provisions of this paragraph."²

- iii) in paragraph 2, sub-paragraph (2) shall be omitted.
- iv) in paragraph 2, sub-paragraphs (3), (4) and (5) shall be renumbered as sub-paragraphs (2), (3) and (4) respectively.
- v) for paragraph 3, the following shall be substituted, namely:-
"3. Issue of shares by a company requiring the Government approval
An Indian company intending to issue shares to a person resident outside India in accordance with these Regulations shall obtain prior approval of the Foreign Investment Promotion Board of Government of India if the company;
 - (a) is engaged or proposes to engage, in any activity given in Annex A (A) to this schedule; or
 - (b) falls under the FIPB route as stipulated under the column "Entry Route" in Annex B to this schedule; or
 - (c) proposes to issue shares to a person resident outside India against considerations other than inward remittance i.e. against royalty/lumpsum fee due for payment; or
 - (d) proposes to issue shares to a person resident outside India, on or after 28th day of November 2003, against External Commercial Borrowings(ECBs){excluding those deemed as ECBs} received in convertible foreign currency."³
- vi) in paragraph 4,

² This amendment is given retrospective effect from 10th day of February, 2006, that is, from the date on which Press Note No. 4 (2006 Series) was issued by Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.

³ This amendment is given retrospective effect from 29th day of November 2003, that is, from the date on which Press Note 5(2003) was issued by Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.

- i. in sub-paragraph (2), for the words "form specified in Annexure C", the words "Form DR" shall be substituted.
 - ii. in sub-paragraph (3), for the words "form specified in Annexure D", the words "Form DR-Quarterly" shall be substituted.
- vii) for paragraph 4B, the following new paragraph shall be substituted, namely:
- "4B. An Indian company may sponsor an issue of ADRs/GDRs with an overseas depository against shares held by its shareholders at a price to be determined under the provisions of the Scheme for Issue of Foreign Currency Convertible Bonds and Ordinary Shares (Through Depository Receipt Mechanism) Scheme, 1993 and guidelines issued by the Government of India and the reporting requirements as directed by Reserve Bank, from time to time."
- viii) paragraph 5A shall be omitted
- ix) for paragraph 6, the following new paragraph shall be substituted, namely:-
- "6. Issue price of ADRs/ GDRs**
- The pricing of ADRs/GDRs to be issued to a person resident outside India shall be determined under the provisions of the Scheme for Issue of Foreign Currency Convertible Bonds and Ordinary Shares (Through Depository Receipt Mechanism) Scheme, 1993 and guidelines issued by the Government of India from time to time."
- x) in paragraph 9,
- (i) in sub-paragraph (1),
 - (a) in clause (A), for the word "report", the words "report in form specified in Annex C to this schedule" shall be substituted
 - (b) in clause (B), for sub. clause (d), for the words and figure "In accordance with paragraph 9", the words and figure "in accordance with paragraph 8" shall be substituted.
 - (ii) after clause (B), at the end, the following new clause (C), shall be inserted, namely:-

" C) the amount of consideration received by Indian company as advance against equity shall be reported to the Regional Office of the Reserve Bank under whose jurisdiction the Registered Office of the Company operates in the form specified in "Annex C " within 30 days of receipt thereof."

- xi) for Annexure A and Annexure B, "Annex A" and 'Annex B' respectively to these regulations shall be substituted.
- xii) Annexure C and Annexure D shall be renamed as "Form DR" and "Form DR-Quarterly", respectively.
- xiii) Annexure E shall be omitted.
- xiv) for 'Form FC-GPR', "Annex D " to these regulations shall be substituted.

7. Amendment of Schedule 4

In the principal Regulations, in Schedule 4, in paragraph 2, for the provisos, the followings provisos shall be substituted, namely:-

"Provided that the person to whom the shares are being transferred, shall obtain prior permission of the Central Government to acquire the shares if he has, as on 12th day of January 2005, an existing joint venture or technology transfer/trademark agreement in the same field as that of the company of which the shares or convertible debentures to be acquired by him.

Provided further that no prior permission of Central Government shall be required for:

- (a) transfer of shares to multinational financial institutions such as Asian Development Bank (ADB), International Finance Corporation (IFC), Commonwealth Development Corporation (CDC), Deutsche Entwicklungs Gesellschaft (DEG).
- (b) transfer of shares of an Indian company engaged in Information Technology sector or in the mining sector, if the existing joint venture or technology transfer/trade mark agreement of the

person to whom the shares are to be transferred are also in the Information Technology sector or in the mining sector for same area/mineral.

- (c) investments to be made by Venture Capital Funds registered with SEBI; investments by multinational financial institutions or where in the existing joint-venture investment by either of the parties is less than 3%; or where the existing joint venture/ collaboration is defunct or sick."

8. Amendments of Schedule 5

In the principal Regulations, in Schedule 5,

- (i) for paragraph 1, the following new paragraph shall be substituted, namely:-

"1. Permission to Foreign Institutional Investors for purchase of securities -

A registered Foreign Institutional Investor may purchase, on repatriation basis, dated Government securities/treasury bills, listed non-convertible debentures/bonds, commercial papers issued by an Indian company and units of domestic mutual funds, Security Receipts issued by Asset Reconstruction Companies and Perpetual Debt instruments eligible for inclusion as Tier I capital and Debt capital instruments as upper Tier II capital issued by banks in India to augment their capital (the definitions of Tier I capital and Tier II capital will be the same as clarified by Reserve Bank, Department of Banking Operations and Development and modified from time to time); subject to the limits prescribed by RBI and SEBI from time to time; either directly from the issuer of such securities or through a registered stock broker on a recognised Stock Exchange in India:

Provided that;

- i) the FII shall restrict allocation of its total investment between equity and debt instruments (including dated Government Securities and Treasury Bills in the Indian capital market) in the ratio of 70:30;

- ii) if the FII desires to invest up to 100 per cent in dated Government Securities including Treasury Bills, listed non-convertible debentures/ bonds issued by an Indian company, it shall form a 100% debt fund and get such fund registered with SEBI;
- iii) The total holding by a single FII in each tranche of scheme of Security Receipts shall not exceed 10 per cent of the issue and the total holdings of all FIIs put together shall not exceed 49 percent of the paid up value of each tranche of scheme of Security Receipts issued by the Asset Reconstruction Companies; and
- iv) The investment by all FIIs in Perpetual Debt instruments (Tier I) should not exceed an aggregate ceiling of 49 per cent of each issue, and investment by individual FII should not exceed the limit of 10 per cent of each issue. The investment by FIIs in Debt capital instruments (Tier II) shall be within the limits stipulated by SEBI for FII investment in corporate debt.

Provided further that FIIs may offer such securities as permitted by the Reserve Bank from time to time as collateral to the recognized Stock Exchanges in India for their transactions in exchange traded derivative contracts as specified in sub-Regulation 6.”

(ii) in paragraph 2, for sub-paragraph (1) the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 25th day of January 2006, namely :-

“1A. A Non-resident Indian may, without limit, purchase on repatriation basis,

- i) Government dated securities (other than bearer securities) or treasury bills or units of domestic mutual funds;
- ii) bonds issued by a public sector undertaking (PSU) in India;
- iii) shares in Public Sector Enterprises being disinvested by the Government of India, provided the purchase is in accordance

with the terms and conditions stipulated in the notice inviting bids.

1B. A Non-resident Indian may purchase on repatriation basis perpetual debt instruments eligible for inclusion as Tier I capital and Debt capital instruments as upper Tier II capital issued by banks in India to augment their capital, as stipulated by Reserve Bank from time to time. The investments by all NRIs in Perpetual Debt instruments (Tier I) should not exceed an aggregate ceiling of 24 per cent of each issue and investments by a single NRI should not exceed 5 percent of each issue. Investment by NRIs in Debt capital instruments (Tier II) shall be in accordance with the extant policy for investment by NRIs in other debt instruments. "

[No. FEMA 179/2008-RB]

SALIM GANGADHARAN, Chief General Manager

Foot Note: The Principal Regulations were published in the Official Gazette vide G.S.R.No. 406 (E) dated May 8, 2000 in Part II, Section 3, sub-section (i) and subsequently amended as under:

G.S.R.No. 158(E) dated 02.03.2001
 G.S.R.No. 175(E) dated 13.03.2001
 G.S.R.No. 182(E) dated 14.03.2001
 G.S.R.No. 4(E) dated 02.01.2002
 G.S.R.No. 574(E) dated 19.08.2002
 G.S.R.No. 223(E) dated 18.03.2003
 G.S.R.No. 225(E) dated 18.03.2003
 G.S.R.No. 558(E) dated 22.07.2003
 G.S.R.No. 835(E) dated 23.10.2003
 G.S.R.No. 899(E) dated 22.11.2003
 G.S.R.No. 12(E) dated 07.01.2004
 G.S.R.No. 278(E) dated 23.04.2004
 G.S.R.No. 454(E) dated 16.07.2004
 G.S.R.No. 625(E) dated 21.09.2004
 G.S.R.No. 799(E) dated 08.12.2004
 G.S.R.No. 201(E) dated 01.04.2005
 G.S.R.No. 202(E) dated 01.04.2005
 G.S.R.No. 504(E) dated 25.07.2005
 G.S.R.No. 505(E) dated 25.07.2005
 G.S.R.No. 513(E) dated 29.07.2005
 G.S.R.No. 738(E) dated 22.12.2005
 G.S.R.No. 29(E) dated 19.01.2006
 G.S.R.No. 413(E) dated 11.07.2006
 G.S.R.No. 712(E) dated 14.11.2007
 G.S.R.No. 713(E) dated 14.11.2007
 G.S.R.No. 737(E) dated 29.11.2007
 G.S.R.No. 575(E) dated 05.08.2008

Annex A

(See paragraph 2 of schedule 1)

(A) All Activities/ Sectors would require prior approval of the Government of India for FDI in the following circumstances:

- i) where provisions of Press Note 1 (2005 Series) issued by the Government of India are attracted;
- ii) where more than 24 per cent foreign equity is proposed to be inducted for manufacture of items reserved for the Small Scale sector.

(B) Sectors prohibited for FDI

- i. Retail Trading (except single brand product retailing)
- ii. Atomic Energy
- iii. Lottery Business
- iv. Gambling and Betting
- v. Business of chit fund
- vi. Nidhi Company
- vii. Trading in Transferable Development Rights (TDRs).
- viii. Activities/sector not opened to private sector investment

Annex B

(See paragraph 2 of schedule 1)

Sector-specific policy for foreign investment

In the following sectors/activities, FDI up to the limit indicated below is allowed subject to other conditions as indicated. In Sectors/Activities not listed below, FDI is permitted up to 100 per cent on the automatic route subject to sectoral rules/regulations applicable.

Sr. No.	Sector/Activity	FDI Cap / Equity	Entry Route	Other conditions
	AGRICULTURE			
1.	Floriculture, Horticulture, Development of Seeds, Animal Husbandry,	100%	Automatic	---

	Pisciculture, Aquaculture, Cultivation of Vegetables & Mushrooms under controlled conditions and services related to agro and allied sectors. NB: Besides the above, FDI is not allowed in any other agricultural sector /activity			
2.	Tea Sector , including tea plantation NB: Besides the above, FDI is not allowed in any other plantation sector /activity	100%	FIPB	Subject to divestment of 26% equity in favour of Indian partner/Indian public within 5 years and prior approval of State Government concerned in case of any change in future land use.
	INDUSTRY			
	MINING			
3.	Mining covering exploration and mining of diamonds & precious stones; gold, silver and minerals.	100%	Automatic	Subject to Mines & Minerals (Development & Regulation) Act, 1957 (www.mines.nic.in) Press Note 18 (1998) and Press Note 1 (2005) are not applicable for setting up 100% owned subsidiaries in so far as the mining sector is concerned, subject to a declaration from the applicant that he has no existing joint venture for the same area and /or the particular mineral.

4.	Coal & Lignite mining for captive consumption by power projects, and iron & steel, cement production and other eligible activities permitted under the Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973.	100%	Automatic	Subject to provisions of Coal Mines(Nationalization) Act, 1973. (www.coal.nic.in)
5	Mining and mineral separation of titanium bearing minerals and ores, its value addition and integrated activities. NB: FDI will not be allowed in mining of "prescribed substances" listed in Government of India notification No. S.O. 61(E) dated 18.1.2006 issued by the Department of Atomic Energy.	100%	FIPB	Subject to sectoral Regulations and the Mines and Minerals (Development & Regulation) Act, 1957 and the following conditions - i. value addition facilities are set up within India along with transfer of technology; ii. disposal of tailings during the mineral separation shall be carried out in accordance with Regulations framed by the Atomic Energy Regulatory Board such as Atomic Energy (Radiation Protection) Rules, 2004 and the Atomic Energy (Safe Disposal of Radioactive Wastes) Rules, 1987.
MANUFACTURING				
6.	Alcohol-Distillation & Brewing	100%	Automatic	Subject to license by appropriate authority.
7.	Cigars & Cigarettes-Manufacture	100%	FIPB	Subject to industrial license under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951.

8.	Coffee & Rubber processing & warehousing	100%	Automatic	--
9.	Defence production	26%	FIPB	Subject to licensing under Industries (Development & Regulation) Act, 1951 and guidelines on FDI in production of arms & ammunition.
10.	Hazardous chemicals, viz., hydrocyanic acid and its derivatives; phosgene and its derivatives; and isocyanates and diisocyanates of hydrocarbon.	100%	Automatic	Subject to industrial license under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 and other sectoral Regulations.
11.	Industrial explosives- Manufacture	100%	Automatic	Subject to industrial license under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 and Regulations under Explosives Act, 1898
POWER				
12.	Power including generation (except Atomic energy); transmission, distribution and Power trading.	100%	Automatic	Subject to provisions of the Electricity Act, 2003 (www.powermin.nic.in)
SERVICES				
CIVIL AVIATION SECTOR				
13.	Airports-			
a.	Greenfield projects	100%	Automatic	Subject to sectoral Regulations notified by Ministry of Civil Aviation (www.civilaviation.nic.in)

b.	Existing projects	100%	FIPB beyond 74%	Subject to sectoral Regulations notified by Ministry of Civil Aviation (www.civilaviation.nic.in)
14.	Air Transport Services including Domestic Scheduled Passenger Airlines; Non-Scheduled Airlines; Chartered Airlines; Cargo Airlines; Helicopter and Seaplane Services			
a.	Scheduled Air Transport Services/ Domestic Scheduled Passenger Airline	49%- FDI; 100%- for NRIs investment.	Automatic	Subject to no direct or indirect participation by foreign airlines and sectoral Regulations. (www.civilaviation.nic.in)
b.	Non-Scheduled Air Transport Service/ Non-Scheduled airlines, Chartered airlines, and Cargo airlines	74%- FDI 100%- for NRIs investment	Automatic	Subject to no direct or indirect participation by foreign airlines in Non-Scheduled and Chartered airlines. Foreign airlines are allowed to participate in the equity of companies operating Cargo airlines. Also subject to sectoral Regulations. (www.civilaviation.nic.in)
c.	Helicopter Services / Seaplane services requiring DGCA approval	100%	Automatic	Foreign airlines are allowed to participate in the equity of companies operating Helicopter and seaplane services. Also subject to sectoral Regulations. (www.civilaviation.nic.in)
15.	Other services under Civil Aviation Sector			
a.	Ground Handling Services	74%- FDI 100%- for NRIs investment	Automatic	Subject to sectoral Regulations and security clearance.
b.	Maintenance and Repair organizations; flying training institutes; and	100%	Automatic	--

	technical training institutions			
16.	Asset Reconstruction Companies	49% (only FDI)	FIPB	Where any individual investment exceeds 10% of the equity, provisions of Section 3(3)(f) of Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 should be complied with. (www.finmin.nic.in)
17.	Banking - Private sector	74% (FDI+FII) Within this limit, FII investment not to exceed 49%	Automatic	Subject to guidelines for setting up branches / subsidiaries of foreign banks issued by RBI. (www.rbi.org.in)
18.	Broadcasting			
a.	FM Radio	FDI +FII investment up to 20%	FIPB	Subject to guidelines notified by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
b.	Cable network	49% (FDI+FII)	FIPB	Subject to Cable Television Network Rules (1994), notified by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
c.	Direct-To-Home	49% (FDI+FII). Within this limit, FDI component not to exceed 20%	FIPB	Subject to guidelines issued by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
d.	Setting up hardware facilities such as up-linking, HUB, etc.	49% (FDI+FII)	FIPB	Subject to Up-linking Policy notified by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
e.	Up-linking a	26%	FIPB	Subject to guidelines issued by Ministry of Information-&

	News & Current Affairs TV Channel	(FDI+FII)		Broadcasting. (www.mib.nic.in)
f.	Up-linking a Non-news & Current Affairs TV Channel	100%	FIPB	Subject to guidelines issued by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
19.	Commodity Exchanges	49% (FDI+FII) FDI – 26% FII – 23%	FIPB	FII purchases shall be restricted to secondary market. Subject to regulations specified by concerned Regulators.
20.	Construction Development projects, including housing, commercial premises, resorts, educational institutions, recreational facilities, city and regional level infrastructure, townships. NB: FDI is not allowed in Real Estate Business	100%	Automatic	Subject to conditions notified vide Press Note 2 (2005 Series) including: a. Minimum capitalization of US\$ 10 million for wholly owned subsidiaries and US\$ 5 million for joint venture. The funds would have to be brought within six months of commencement of business of the Company. b. Minimum area to be developed under each project- 10 hectares in case of development of serviced housing plots; and built-up area of 50,000 sq. mts. in case of construction development project; and any of the above in case of a combination project. [Note 1: For investment by NRIs, the conditions mentioned in Press Note 2 (2005) are not applicable. Note 2: For investment in SEZs, Hotels & Hospitals, conditions mentioned in Press Note 2(2005) are not applicable]

21.	Courier services for carrying packages, parcels and other items which do not come within the ambit of the Indian Post Office Act, 1898.	100%	FIPB	Subject to existing laws and exclusion of activity relating to distribution of letters, which is exclusively reserved for the State. (www.indiapost.gov.in)
22.	Infrastructure companies in securities markets namely, Stock Exchanges, Depositories and Clearing Corporations	49% (FDI+FII) FDI – 26% FII – 23%	FIPB	FII purchases shall be restricted to secondary market. Subject to regulations specified by concerned Regulators.
23.	Credit Information Companies	49% (FDI+FII) Within this limit, FII investment not to exceed 24%	FIPB	Foreign Investment in CIC will be subject to Credit Information Companies (Regulation) Act, 2005. Subject to regulations specified by concerned Regulators.
24.	Industrial Parks both setting up and in established Industrial Parks	100%	Automatic	Conditions in Press Note 2(2005) applicable for construction development projects would not apply provided the Industrial Parks meet with the under-mentioned conditions- i. it would comprise of a minimum of 10 units and no single unit shall occupy more than 50% of the allocable area and ; ii. the minimum percentage of the area to be allocated for industrial activity shall not be less than 66% of the total allocable area.

25	Insurance	26%	Automatic	Subject to licensing by the Insurance Regulatory & Development Authority (www.irda.nic.in)
26.	Investing companies in infrastructure / services sector (except telecom sector)	100%	FIPB	Where there is a prescribed cap for foreign investment, only the direct investment will be considered for the prescribed cap and foreign investment in an investing company will not be set off against this cap provided the foreign direct investment in such investing company does not exceed 49% and the management of the investing company is with the Indian owners.
27.	Non Banking Finance Companies			
i)	Merchant banking	100%	Automatic	<p>Subject to:</p> <p>a. Minimum capitalization norms for fund based NBFCs - US\$ 0.5 million to be brought upfront for FDI up to 51%; US\$ 5 million to be brought upfront for FDI above 51% and up to 75%; and US\$ 50 million out of which US\$ 7.5 million to be brought upfront and the balance in 24 months, for FDI beyond 75% and up to 100%.</p> <p>b. Minimum capitalization norms for non-fund based NBFC activities- US\$ 0.5 million.</p> <p>c. Foreign investors can set up 100% operating subsidiaries without</p>
ii)	Underwriting			
iii)	Portfolio Management Services			
iv)	Investment Advisory Services			
v)	Financial Consultancy			
vi)	Stock Broking			
vii)	Asset Management			
viii)	Venture Capital			
ix)	Custodial Services			

x)	Factoring			<p>the condition to disinvest a minimum of 25% of its equity to Indian entities subject to bringing in US\$ 50 million without any restriction on number of operating subsidiaries without bringing additional capital.</p> <p>d. Joint venture operating NBFCs that have 75% or less than 75% foreign investment will also be allowed to set up subsidiaries for undertaking other NBFC activities subject to the subsidiaries also complying with the applicable minimum capital inflow.</p> <p>e. Compliance with the guidelines of the RBI.</p>
xi)	Credit Rating Agencies			
xii)	Leasing & Finance			
xiii)	Housing Finance			
xiv)	Forex Broking			
xv)	Credit card Business			
xvi)	Money changing business			
xvii)	Micro credit			
xviii)	Rural credit			
28	Petroleum & Natural Gas sector			
a.	Refining	<p>49% in case of PSUs.</p> <p>100% in case of Private companies</p>	<p>FIPB (in case of PSUs)</p> <p>Automatic (in case of private companies)</p>	<p>Subject to Sectoral policy and no divestment or dilution of domestic equity in the existing PSUs. (www.petroleum.nic.in)</p>
b.	Other than Refining and including market study and formulation; investment/ financing; setting up infrastructure for marketing in Petroleum & Natural Gas	100%	Automatic	<p>Subject to sectoral Regulations issued by Ministry of Petroleum & Natural Gas. (www.petroleum.nic.in)</p>

	sector.			
29	Print Media-			
a.	Publishing of newspaper and periodicals dealing with news and current affairs	26%	FIPB	Subject to guidelines notified by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
b.	Publishing of scientific magazines/ specialty journals/ periodicals	100%	FIPB	Subject to guidelines issued by Ministry of Information & Broadcasting. (www.mib.nic.in)
30.	Telecommunications			
a.	Basic and cellular, Unified Access Services National/ International Long Distance, V-Sat, Public Mobile Radio Trunked Services (PMRTS), Global Mobile Personal Communications Services (GMPCS) and other value added telecom services	74% (Including FDI, FII, NRI, FCCBs, ADRs, GDRs, convertible preference shares, and proportionate foreign equity in Indian promoters/ Investing Company)	Automatic up to 49%. FIPB beyond 49%.	Subject to guidelines notified in the Press Note 3(2007 Series) dated April 19, 2007.
b.	ISP with gateways, radio-paging, end-to-end bandwidth.	74%	Automatic up to 49%. FIPB beyond 49%.	Subject to licensing and security requirements notified by the Department of Telecommunications. (www.dotindia.com)
c.	(a) ISP without gateway, (b) infrastructure provider providing dark fibre, right of	100%	Automatic up to 49%. FIPB beyond 49%.	Subject to the condition that such companies shall divest 26% of their equity in favour of Indian public in 5 years, if these companies are listed in other parts of the world. Also subject to licensing

	way, duct space, tower (Category I); (c) electronic mail and voice mail.			and security requirements, where required. (www.dotindia.com)
d.	Manufacture of telecom equipments	100%	Automatic	Subject to sectoral requirements. (www.dotindia.com)
31.	Trading			
a.	Wholesale/cash & carry trading	100%	Automatic	Subject to guidelines for FDI in trading issued by Department of Industrial Policy & Promotion vide Press Note 3 (2006 Series) dated February 10, 2006. Subject to the condition that the test marketing approval will be for a period of two years and investment in setting up manufacturing facilities commences simultaneously with test marketing.
b.	Trading for Exports	100%	Automatic	
c.	Trading of items sourced from small scale sector	100%	FIPB	
d.	Test marketing of such items for which a company has approval for manufacture	100%	FIPB	
e.	Single Brand Product retailing	51%	FIPB	
32.	Satellites - Establishment and operation	74%	FIPB	Subject to sectoral guidelines issued by Department of Space / ISRO. (www.isro.org)
33.	Special Economic Zones and Free Trade Warehousing Zones covering setting up of these Zones and setting up units in the Zones	100%	Automatic	Subject to Special Economic Zones Act, 2005 and the Foreign Trade Policy. (www.sezindia.nic.in)
34.	Drugs & Pharmaceutical Including those Involving recombinant DNA technology	100%	Automatic	—

N.B.: All the above sector / activities mentioned in Annex B above, are governed by the respective Press Notes / Releases issued by the Government of India, from time to time.

No.	Particulars	(In Block Letters)	
1.	Name of the Indian company		
	Address of the Registered Office		
	Fax		
	Telephone		
	e-mail		
2	Details of the foreign investor/ collaborator		
	Name		
	Address		
	Country		
3.	Date of receipt of funds		
4.	Amount	In foreign currency	In Indian Rupees
5.	Whether investment is under Automatic Route or Approval Route	Automatic Route / Approval Route	
	If Approval Route, give details (ref. no. of FIPB approval and date)		

Annex D

FC-GPR

PART - A

(To be filed by the company through its Authorised Dealer Category – I bank with the Regional Office of the RBI under whose jurisdiction the Registered Office of the company making the declaration is situated as and when fresh investment in the Company is received, along with the documents mentioned in item No. 4 of the undertaking enclosed in this form)

Permanent Account Number
(PAN) of the investee company
given by the IT Department

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Date of issue of shares

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

No.	Particulars	(In Block Letters)
1.	Name	
	Address of the Registered Office	
	State	
	Registration No. given by Registrar of Companies	
	Whether existing company or new company (strike off whichever is not applicable)	Existing company / New company
	If existing company, give registration number allotted by RBI for FDI, if any	
	Telephone	
	Fax	
	e-mail	

2.	Description of the main business activity	
	NIC Code	
	Location of the project and NIC code for the district where the project is located	
	Percentage of FDI allowed as per FDI policy	
	State whether FDI is allowed under Automatic Route or Approval Route (strike out whichever is not applicable)	Automatic Route / Approval Route
3	Details of the foreign investor/ collaborator*	
	Name	
	Address	
	Country	
	Constitution / Nature of the investing Entity [Specify whether 1. Individual 2. Company 3. FII 4. FVCI 5. Foreign Trust 6. Private Equity Fund 7. Pension/ Provident Fund 8. Sovereign Wealth Funds ⁴ 9. Partnership/ Proprietorship firm 10. Financial Institution 11. NRIs/PIOs 12. others (please specify)]	
	Date of incorporation	

* If there are more than one foreign investor/collaborator, separate Annex may be included for items 3 and 4.

⁴ SWF is a government investment vehicle which is funded by foreign exchange assets and manages overseas assets such as stocks, property or other financial instruments, separately from the official reserves of the monetary authorities.

4	Particulars of Shares / Convertible Debentures Issued							
(a)	Nature and date of issue							
		Nature of issue	Date of issue	Number of shares/ convertible debentures				
01		IPO / FPO						
02		Preferential allotment / private placement						
03		Rights						
04		Bonus						
05		Conversion of ECB						
06		Conversion of royalty (including lump sum payments)						
07		Conversion against import of capital goods by units in SEZ						
08		ESOPs						
09		Share Swap						
10		Others (please specify)						
		Total						
(b)	Type of security issued							
	No.	Nature of security	Number	Maturity	Face value	Premium	Issue Price per share	Amount of inflow*
01		Equity						
02		Compulsorily Convertible Debentures						
03		Compulsorily Convertible Preference shares						
04		Others (please specify)						
		Total						

i) In case the issue price is greater than the face value please give break up of the premium received.

ii) * In case the issue is against conversion of ECB or royalty or lumpsum payment or against import of capital goods by units in SEZ, a Chartered Accountant's Certificate certifying the amount of the outstanding on the date of conversion

(c)	Break up of premium	Amount
	Control Premium	
	Non competition fee	
	Others [@]	
	Total	

[@] please specify the nature

(d)	Total inflow (in Rupees) on account of issue of shares to non-residents (including premium, if any) vide (i) Remittance through AD: (ii) Debit to NRE/FCNR A/c with Bank _____ (iii) Others (please specify) Date of reporting of (i) and (ii) above to RBI under Para 9 (1) A (i) of Notification No. FEMA 20/2000-RB dated May 3, 2000, as amended from time to time.	
(e)	Disclosure of fair value of shares issued**	
	We are a listed company and the market value of a share as on date of the issue is*	
	We are an un-listed company and the fair value of a share is*	

** before issue of shares

*(Please indicate as applicable)

5. Post issue pattern of shareholding							
		Equity			Compulsorily convertible Preference Shares/ Debentures		
Investor category		No. of shares	Amount (Face Value) Rs.	%	No. of shares	Amount (Face Value) Rs.	%
a)	Non-Resident						
	01 Individuals						
	02 Companies						
	03 FIs						
	04 FVCIs						
	05 Foreign Trusts						
	06 Private Equity Funds						
	07 Pension/ Provident Funds						
	08 Sovereign Wealth Funds						
	09 Partnership/ Proprietorship firms						
	10 Financial Institutions						
	11 NRIs/PIOs						
	12 Others (please specify)						
	Sub Total						
b)	Resident						
Total							

**DECLARATION TO BE FILED BY THE AUTHORISED REPRESENTATIVE OF THE
INDIAN COMPANY: (*Delete whichever is not applicable and authenticate*)**

We hereby declare that:

1. We comply with the procedure for issue of shares as laid down under the FDI scheme as indicated in Notification No. FEMA 20/2000-RB dated 3rd May 2000 as amended from time to time.

2. The investment is within the sectoral cap/statutory ceiling permissible under the Automatic Route of RBI and we fulfill all the conditions laid down for investments under the Automatic Route namely (strike off whichever is not applicable)

a) Foreign entity/entities—(other than individuals), to whom we have issued shares have existing joint venture or technology transfer or trade mark agreement in India in the same field and Conditions stipulated in Press Note 1 of 2005 Series dated January 12, 2005 have been complied with.

OR

b) Foreign entity/entities—(other than individuals), to whom we have issued shares do not have any existing joint venture or technology transfer or trade mark agreement in India in the same field.

c) We are not an SSI unit.

OR

We are a SSI unit and the investment limit of 24 % of paid-up capital has been observed/ requisite approvals have been obtained.

d) Shares issued on rights basis to non-residents are in conformity with Regulation 6 of the RBI Notification No. FEMA 20/2000-RB dated 3rd May 2000, as amended from time to time.

OR

e) Shares issued are bonus shares.

OR

f) Shares have been issued under a scheme of merger and amalgamation of two or more Indian companies or reconstruction by way of de-merger or otherwise of an Indian company, duly approved by a court in India.

OR

g) Shares are issued under ESOP and the conditions regarding this issue have been satisfied

**CERTIFICATE TO BE FILED BY THE COMPANY SECRETARY⁵ OF THE INDIAN
COMPANY ACCEPTING THE INVESTMENT:**

(As per Para 9 (1) (B) (i) of Schedule 1 to Notification No. FEMA 20/2000-RB dated 3rd May, 2000)

In respect of the above-mentioned details, we certify the following :

1. All the requirements of the Companies Act, 1956 have been complied with.
2. Terms and conditions of the Government approval, if any, have been complied with.
3. The company is eligible to issue shares under these Regulations.
4. The company has all original certificates issued by AD Category – I banks in India, evidencing receipt of amount of consideration in accordance with paragraph 8 of Schedule 1 to Notification No. FEMA 20/2000-RB dated 3rd May, 2000.

(Name & Signature of the Company Secretary) (Seal)

FOR USE OF THE RESERVE BANK ONLY:

Unique Identification Number for the FC-GPR:

G																			
---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

⁵ If the company doesn't have full time Company Secretary, a certificate from practising CS may be submitted

PART-B

(ii) This is an annual return to be submitted by 31st of July every year by all companies, pertaining to all investments by way of direct/portfolio investments/re-invested earnings/others in the Indian company made during the previous years (i.e. the information in Part B submitted by 31st July 2007 will pertain to all the investments made in the previous years up to 31st March, 2007). The details of the investments to be reported would include all foreign investments made into the company which is outstanding as on the balance sheet date. The details of overseas investments in the company both under Direct / portfolio investment may be separately indicated. Please use end-March Market prices/exchange rates for compiling the relevant information.

[illegible]

No.	Particulars	(In Block Letters)
1.	Name Address State Registration No. given by the Registrar of Companies	
2.	Name of the Contact Person: Tel. _____ E-mail: _____ Fax: _____	Designation: _____
3.	Account closing date: _____	
4.	Details of changes if any, with regard to information furnished earlier (Change in name of company / Change of location, activities, etc.)	

5.	Whether listed company or unlisted company	Listed / unlisted		
5.1	If listed, i) Market value per share as at end-March ii) Net Asset Value per share as on date of latest Audited Balance Sheet			
5.2	If unlisted, Net Asset Value per share as on date of latest Audited Balance Sheet			
6. Foreign Direct Investment (FDI)				
	Amount in Lakhs of Rupees			
	Foreign Liabilities In India *		Foreign Assets Outside India &	
	Outstanding at end-March of Previous Year	Outstanding at end-March of Current Year	Outstanding at end-March of Previous Year	Outstanding at end-March of Current Year
6.0 Equity Capital				
6.1 Other Capital ^Ω				
6.2 Disinvestments during the year				
6.3 Retained earnings during the year *				

* Please furnish the outstanding investments of non-resident investors (Direct Investors) who were holding **10 per cent or more** ordinary shares of your Company on the reporting date.

& Please furnish your total investments outside the country in each of which **your Company** held **10 per cent or more** ordinary shares of that non-resident enterprise on the reporting date.

^Ω Other Capital includes transactions between the non-resident direct investor and investee / reporting company, relating to i) Short Term Borrowing from overseas investors, ii) Long Term Borrowing from overseas investors, iii) Trade Credit, iv) Suppliers Credit, v) Financial Leasing, vi) Control Premium, vii) Non-Competition Fee in case of transactions not involving issue of shares, viii) Non-cash acquisition of shares against technical transfer, plant and machinery, goodwill, business development and similar considerations and ix) investment in immovable property made during the year.

* Under foreign liabilities, for retained earnings (undistributed profit), please furnish the proportionate amount as per the share holding of non-resident investors (Direct investors). Similarly under foreign assets outside India, the retained earnings of your company would be proportionate to your shareholding of ordinary shares in the non-resident enterprise.

7. Portfolio and Other Investment (Please furnish here the outstanding investments other than those mentioned under FDI above)				
	Amount in Lakhs of Rupees			
	Foreign Liabilities In India		Foreign Assets Outside India	
	Outstanding at end-March of Previous Year	Outstanding at end-March of Current Year	Outstanding at end-March of Previous Year	Outstanding at end-March of Current Year
7.0 Equity Securities				
7.1 Debt Securities				
7.1.1 Bonds and Notes				
7.1.2 Money Market Instruments				
7.2 Disinvestments during the year				
8. Financial Derivatives (notional value)				
9. Other Investment				
9.1 Trade Credit				
9.1.1 Short Term				
9.1.2 Long Term				
9.2 Loans [∞]	Please see the note below			
9.3 Others				
9.3.1 Short Term				
9.3.2 Long Term				

[∞] **Note:** As the details of the Loans availed of by your company are collected through Authorised Dealers separately by Foreign Exchange Department of the Reserve Bank in ECB returns, the details of external loans availed by your company need not be filled in. However, the external loans extended by your company to non-resident enterprises other than WOS/JVs outside India should be reported under "Foreign Assets outside India".

10. Shareholding pattern as at end-March							
Investor category / Nature of investing entity		Equity			Compulsorily convertible Preference Shares/ Debentures		
		No. of shares	Amount (Face Value) Rs.	%	No. of shares	Amount (Face Value) Rs.	%
a)	Non-Resident						
	01 Individuals						
	02 Companies						
	03 FIs						
	04 FVCIs						
	05 Foreign Trusts						
	06 Private Equity Funds						
	07 Pension/ Provident Funds						
	08 Sovereign Wealth Funds ⁶						
	09 Partnership/ Proprietorship firms						
	10 Financial Institutions						
	11 NRIs/PIOs						
	12 Others (please specify)						
	Sub Total						
b)	Resident						
	Total						
11. Persons employed during the financial year ending March 31 [®]							
	Directly						
	Indirectly						
	Total						

Signature of the authorised
Official : _____

Name (in block letters) : _____

Designation : _____

Place:

Date:

⁶ SWF is a government investment vehicle which is funded by foreign exchange assets and manages overseas assets such as stocks, property or other financial instruments, separately from the official reserves of the monetary authorities.

[®] Please indicate the number of persons recruited by your company during the financial year for which the return is being submitted. Under "Directly", indicate the number of persons on the roll of your company, whereas under "Indirectly", indicate the number of persons otherwise engaged by your company during the year.

Form DR

[Refer to paragraph 4(2) of Schedule 1]

Return to be filed by an Indian Company who has arranged issue of GDR/ADR

Instructions : The form should be completed and submitted to the Reserve Bank of India, Foreign Investment Division, Central Office, Mumbai.

1. Name of the Company
2. Address of Registered Office
3. Address for Correspondence
4. Existing Business (please give the NIC Code of the activity in which the company is predominantly engaged)
5. Details of the purpose for which GDRs/ADRs have been raised. If funds are deployed for overseas investment, details thereof
6. Name and address of the Depository abroad
7. Name and address of the Lead/ Manager Investment/Merchant Banker
8. Name and address of the Sub-Managers to the issue
9. Name and address of the Indian Custodians
10. Details of FIPB approval (please quote the relevant NIC Code if the GDRs are being issued under the Automatic Route)
11. Whether any overall sectoral cap for foreign investment is applicable. If yes, please give details
12. Details of the Equity Capital

	<u>Before Issue</u>	<u>After Issue</u>
(a) Authorised Capital		
(b) Issued and Paid-up Capital		
(i) Held by persons Resident in India		
(ii) Held by foreign investors other than FIIs/NRIs/PIOs/ OCBs (a list of foreign investors holding more than 10 percent of the paid-up capital and number of shares held by each of them should be furnished)		
(iii) Held by NRIs/PIOs/OCBs		

(iv) Held by FIIs

Total Equity held by non-residents

- (c) Percentage of equity held by non-residents to total paid-up capital

13. Whether issue was on private placement basis. If yes, please give details of the investors and GDRs/ADRs issued to each of them
14. Number of GDRs/ADRs issued
15. Ratio of GDRs/ADRs to underlying shares
16. Issue Related Expenses
 - (a) Fee paid/payable to Merchant Bankers/Lead Manager
 - (i) Amount (in US\$)
 - (ii) Amount as percentage to the total issue
 - (b) Other expenses
17. Whether funds are kept abroad. If yes, name and address of the bank
18. Details of the listing arrangement
 - Name of Stock Exchange
 - Date of commencement of trading
19. The date on which GDRs/ADRs issue was launched
20. Amount raised (in US \$)
21. Amount repatriated (in US \$)

Certified that all the conditions laid down by Government of India and Reserve Bank of India have been complied with.

Sd/-
Chartered Accountant

Sd/-
Authorised Signatory of the Company

Form DR - Quarterly

[Refer to paragraph 4(3) of Schedule 1]

Quarterly Return

(to be submitted to the Reserve Bank of India, Foreign Investment Division, Central Office, Mumbai)

1. Name of the Company
2. Address
3. GDR/ADR issue launched on
4. Total No. of GDRs/ADRs issued
5. Total amount raised
6. Total interest earned till end of quarter
7. Issue expenses and commission etc.
8. Amount repatriated
9. Balance kept abroad - Details
 - (i) Banks Deposits
 - (ii) Treasury Bills
 - (iii) Others (please specify)
10. No. of GDRs/ADRs still outstanding
11. Company's share price at the end of the quarter
12. GDRs/ADRs price quoted on overseas stock exchange as at the end of the quarter

Certified that the funds raised through GDRs/ADRs have not been invested in stock market or real estate.

Sd/-
Chartered Accountant

Sd/-
Authorised Signatory of the Company